मंगलवार, 11 फरवरी 2025

मौसम

तापमान	32 – 21
आर्द्रता	51%
सूर्योदय: 6:11	सूर्यास्त: 17:31

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, माघ शुक्लपक्ष चतुर्दशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : मैं परेशान हूं यह कहने के लिए कोई बहुत खास व्यक्ति चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से कहा कि वे खुद को चुनौती दें, लेकिन परीक्षा का दबाव न लें -पृष्ठ 7

JAISWAL INDUSTRIAL PARK PHASE I & II

COMPLETE COMMERCIAL PLOTS AVAILABLE WITH FILLING AND BOUNDARY

JUST 3 MINS FROM DANKUNI HOUSING

CALL: 7003982830 email: udgeethdevelopers@gmail.com

DIVYANSH JAISWAL

RED-X

B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS

'X' Factor that Makes A Difference

Stockist :

GULAB CHAND LAL CHAND& Co.

9831114555

9874415555

'बंगाल में नहीं पड़ेगा कोई असर', दिल्ली में आप की हार पर बोलीं ममता

कहा : '2026 में फिर से दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आएंगे'

मुख्यमंत्री ने कहा.. 'दिल्ली में आप और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ी होती तो नतीजे अलग होते'

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को अपनी पार्टी के विधायकों से कहा कि दिल्ली चुनाव के नतीजों का अगले साल होने वाले बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने से ठीक पहले एक आंतरिक बैठक के दौरान ममता ने तृणमूल विधायकों से कहा कि हम अपने दम पर 2026 में फिर से दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आएंगे। कांग्रेस के पास यहां कुछ भी नहीं है। हम अपने दम पर जीतेंगे। दिल्ली चुनाव में गठबंधन नहीं होने के सवाल पर ममता ने कहा कि यदि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ा होता तो नतीजे अलग होते। बैठक के दौरान नदिया जिले के एक तृणमूल विधायक ने कहा कि दीदी को लगता है कि कांग्रेस को करीब पांच प्रतिशत वोट मिलने से नतीजों पर असर पड़ा। उनके अनुसार, ममता ने कहा कि अगर कांग्रेस ने थोड़ा लचीलापन रूख दिखाया होता और आप के साथ चुनावी समझौता किया होता तो नतीजे अलग होते। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में भी आप ने कांग्रेस का समर्थन नहीं किया। ममता का माननाहै कि अगर दोनों गठबंधन सहयोगी एक साथ चुनाव लड़ते तो हरियाणा में भाजपा सत्ता में नहीं लौटती। तृणमूल विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री को नहीं लगता कि बंगाल में भी यही स्थिति होगी, क्योंकि अन्य विपक्षी दलों के पास तृणमूल की तरह भाजपा की चुनौती का सामना करने के लिए संगठनात्मक ताकत नहीं है।

ममता ने ज्योतिप्रिय मल्लिक की गिरफ्तारी को बताया 'अनुचित'

इस दौरान, ममता ने हाल में राशन घोटाले में जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आए पूर्व मंत्री व विधायक ज्योतिप्रिय मल्लिक की प्रशंसा की। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान ममता ने कहा कि बालू उर्फ ज्योतिप्रिय को अनुचित तरीके से व जानबूझकर फंसाया गया था और हिरासत में लिया गया था। उसके खिलाफ कोई विशेष सबूत नहीं है। ममता ने कहा कि बालू (ज्योतिप्रिय) के खिलाफ ईडी अब तक कुछ भी साबित नहीं कर पाई है।

ममता ने विवादित बयान देने वाले पार्टी विधायकों को चेताया

कहा- बार-बार माफ नहीं करेंगे, ममता ने पार्टी को बताया अपना परिवार

सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ राज्य विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने से ठीक पहले मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने विधानसभा में अपनी पार्टी के सभी विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में ममता ने अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को पुनर्गठित करने पर जोर देने के साथ विवादित बयान देने वाले पार्टी के विधायकों को सख्त चेतावनी देते हुए कड़ी फटकार लगाई। हाल में ही, विवादित बयान देने वाले विधायकों में शामिल मदन मित्रा, उदयन गुहा, नारायण गोस्वामी और हुमायूं कबीर का नाम लेते हुए ममता ने कहा कि अगर आप बार-बार गलती करते हैं, तो आप बच नहीं सकते। गलती करेंगे और बार-बार माफी मागेंगे, यह भी नहीं चल सकता है। ममता ने यह भी कहा कि मेरा कोई परिवार नहीं है। पार्टी ही मेरा परिवार है। ममता ने अपने विधायकों से कहा कि यदि आप एक बार गलती करते हैं, तो आपको माफ किया जा सकता है, लेकिन यदि आप बार-बार गलती करते हैं, तो आपको माफ नहीं किया जाएगा। ममता की चेतावनी पर मदन मित्रा सहित चारों विधायकों ने माफी भी मांगी।

शेयर बाजार में चार दिन से जारी गिरावट से निवेशकों को 7.68 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

नयी दिल्ली : शेयर बाजार में चार दिन से जारी गिरावट से निवेशकों को 7.68 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और शुल्क को लेकर चिंता से बाजार धारणा प्रभावित हुई। पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 1,272.01 अंक यानी 1.61 प्रतिशत के नुकसान में रहा। सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 548.39 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ एक सप्ताह के निचले स्तर 77,311.80 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7,68,252.32 करोड़ रुपये घटकर 4,17,82,573.79 करोड़ रुपये पर आ गया। स्टॉक्स बॉक्स में वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक अमेया रणदिवे ने कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट आई। ट्रंप ने विभिन्न देशों से सभी इस्पात और एल्युमीनियम आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना की घोषणा की है।''

जिन लोगों को 'गलत तरीके से' नौकरी मिली है, उन्हें 'बाहर किया' जा सकता है : सुप्रीम कोर्ट

26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द करने के मामले में फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली/कोलकाता : उच्चतम न्यायालय ने राज्य के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल, 2024 के फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि दलीलें सुनी गईं। फैसला सुरक्षित रखा जाता है। पीठ ने फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दायर याचिका सहित 124 याचिकाओं पर सुनवाई की। मुकुल रोहतगी, रंजीत कुमार, अभिषेक सिंघवी, दुष्यंत दवे, पी. एस. पटवालिया, राकेश द्विवेदी, मनिंदर सिंह, श्याम दीवान, प्रशांत भूषण, मीनाक्षी अरोड़ा और करुणा नंदी सहित वरिष्ठ वकीलों ने मामले में दोनों पक्षों का प्रतिनिधित्व करते हुए बहस की। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए द्विवेदी ने उच्च न्यायालय के फैसले का विरोध किया। शीर्ष अदालत ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले पर बहुप्रतीक्षित फैसला सुरक्षित रखने से पहले पिछले साल 19 दिसंबर को अंतिम सुनवाई शुरू की थी और 15, 27 जनवरी तथा 10 फरवरी को दोनों पक्षों की दलीलें सुनी थीं। उच्च न्यायालय ने 'ओएमआर शीट' से छेड़छाड़ और भर्ती में अनियमितताओं का हवाला देते हुए पश्चिम बंगाल के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार दिया था। पिछले साल सात मई को उच्चतम न्यायालय ने राज्य के स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा की गई नियुक्तियों को लेकर उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को मामले में अपनी जांच जारी रखने की अनुमति दी थी। यह मामला पश्चिम बंगाल एसएससी द्वारा आयोजित 2016 की भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से सामने आया है। स्कूलों में 24,640 पदों पर भर्ती के लिए 23 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी, जिसमें कुल 25,753 नियुक्ति पत्र जारी किए गए थे। उच्चतम न्यायालय ने पहले पश्चिम बंगाल में कथित भर्ती घोटाले को ''व्यवस्थित धोखाधड़ी'' करार दिया था और कहा था कि राज्य के अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे 25,753 शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड बनाए रखें।

माध्यमिक परीक्षा का पहला दिन शांति से हुआ पूरा, कई छात्रों ने अस्पताल से दी परीक्षा

कोलकाता, समाज्ञा : माध्यमिक परीक्षा के पहले दिन की परीक्षा निर्विघ्न रूप से संपन्न हुई। प्रशासन इस बात को लेकर सतर्क था कि परीक्षार्थी बिना किसी परेशानी के परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकें। कई परीक्षार्थियों को रास्ते में पुलिसकर्मियों ने मदद दी। परीक्षा बोर्ड के सूत्रों के अनुसार, इस दिन कुल 66 परीक्षार्थियों ने अस्पताल से परीक्षा दी। जिनमें से 6 परीक्षार्थी मुर्शिदाबाद से थे। प्रशासन ने बताया कि सोमवार को जिले में कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था थी। यातायात की समस्याओं से बचने के लिए विभिन्न रास्तों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। स्कूल परिसर के आसपास भी पुलिस का कड़ा पहरा था और वीडियो कैमरे के माध्यम से परीक्षा केंद्र और आसपास के क्षेत्रों पर निगरानी रखी गई। इस बार कुछ परीक्षा केंद्रों को 'संवेदनशील' के रूप में चिन्हित किया गया था और वहां विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन का मानना है कि आगामी परीक्षा दिन भी निर्विघ्न रूप से संपन्न होंगे।

भारत सभी स्रोतों से पेट्रोलियम खरीदने को तैयार, अगले साल घटेंगे गैस के दाम: पुरी

नयी दिल्ली : पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत सभी स्रोतों से सबसे कम दरों पर पेट्रोलियम आयात के लिए तैयार है। इसके साथ ही पुरी ने कहा कि घरेलू पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को वर्ष 2026 से आपूर्ति के लिए किफायती दाम पर अधिक गैस की तलाश है। पुरी ने मंगलवार से शुरू होने वाले 'भारतीय ऊर्जा सप्ताह-2025' के संदर्भ में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद रूस से भारत को तेल आपूर्ति पर पड़ने वाले असर से जुड़ी आशंकाएं दूर कीं। उन्होंने कहा, ''आज हमारे सामने ऐसी स्थिति है कि हमें आपूर्ति करने वाले देशों की संख्या 27 से बढ़कर 39 हो गई है। हमने अर्जेंटीना को भी इसमें शामिल किया है। हम सभी स्रोतों से आयात के लिए तैयार हैं।'' पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, हमने आयात के समय निविदा जारी की थी। निविदा किसी भी आपूर्तिकर्ता के लिए खुली हैं। हम सबसे सस्ते स्रोत से ही ईंधन खरीदते हैं।'' उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को ज्यादा मात्रा में गैस की तलाश है और प्राकृतिक गैस की कीमतें नीचे आने की उम्मीद है। पुरी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बाजार के बारे में मेरा अनुमान है कि 2026 में प्राकृतिक गैस की उपलब्धता में खासी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। हमें कतर से अधिक गैस मिल सकती है। हमारी कंपनियां अधिक गैस की तलाश कर रही हैं।'' एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और गेल अमेरिका से एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) और कच्चे तेल की खरीद पर विचार कर रही हैं और वे दीर्घावधि के अनुबंध कर सकती हैं।

महाकुंभ: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में डुबकी लगाई

अक्षयवट, बड़े हनुमान जी के दर्शन किए

महाकुंभ नगर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ-2025 के त्रिवेणी संगम में सोमवार को डुबकी लगाई और बड़े हनुमान जी, अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन किए। इस दौरान प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति सुबह विशेष विमान से प्रयागराज हवाई अड्डे पहुंचीं, जहां राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहां से वह अरैल पहुंचीं और नाव से संगम पहुंचकर स्नान किया। अधिकारियों के अनुसार, नाव से संगम घाट जाते समय आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति मुर्मू को गंगा और यमुना नदी तथा उसके प्रवाह के बारे में जानकारी दी। नाव से घाट जाते समय राष्ट्रपति ने साइबेरियाई पक्षियों को दाना भी डाला। संगम में स्नान करने के उपरांत मुर्मू ने गंगा में नारियल और पुष्प अर्पित किए तथा सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। डुबकी लगाने के दौरान राष्ट्रपति को सफेद रंग का सलवार-सूट पहने देखा गया।

पंजाब में मध्यावधि चुनाव होगा, आप के कई विधायक छोड़ देंगे पार्टी: रंधावा

नयी दिल्ली : कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार दावा किया कि राज्य में मध्यावधि चुनाव हो सकता है क्योंकि दिल्ली में चुनावी हार के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ देंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करने वाले हैं। यह बैठक दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की हार और पार्टी की पंजाब इकाई में आंतरिक असंतोष की बढ़ती अटकलों के मद्देनजर हो रही है। दिल्ली चुनाव और पंजाब पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर, रंधावा ने संवाददाताओं से कहा, ''केजरीवाल ने कहा था कि अगर मैं भ्रष्ट हूं, तो मुझे वोट मत देना। अब दिल्लीवासियों ने अपनी मुहर लगा दी है और केजरीवाल बुरी तरह हार गए।''

यात्रा ट्रंप के पहले कार्यकाल में द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाएगी: प्रधानमंत्री मोदी

एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस पहुंचे, मैक्रों के साथ करेंगे वार्ता

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका की उनकी यात्रा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों देशों के बीच सहयोग में मिली सफलताओं को आगे बढ़ाने का एक अवसर होगी। फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर रवाना होने से पहले उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि इससे प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला में लचीलेपन के क्षेत्रों सहित अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी को और अधिक बढ़ाने तथा गहरा करने के लिए एजेंडा विकसित करने में भी मदद मिलेगी। बाद में प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''यह यात्रा भारत-अमेरिका मित्रता को और मजबूत करेगी तथा विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देगी। मुझे राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके पहले कार्यकाल के दौरान काम करने की यादें ताजा हैं तथा मुझे विश्वास है कि हमारी वार्ता उस समय की गई चर्चाओं पर आधारित होगी।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात होगी। मोदी ने कहा, ''हम दोनों देशों के लोगों के आपसी लाभ के लिए मिलकर काम करेंगे और दुनिया के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं।'' मोदी 10 फरवरी से 12 फरवरी तक फ्रांस का दौरा करेंगे और फिर वहां से दो दिवसीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह विश्व नेताओं और वैश्विक प्रौद्योगिकी सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) के एक सम्मेलन 'एआई एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हैं, जहां वे समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार एवं व्यापक सार्वजनिक कल्याण के लिए एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) प्रौद्योगिकी को लेकर सहयोगी दृष्टिकोण पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। मोदी ने कहा, ''दो देशों की मेरी यह यात्रा मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए '2047 होराइजन रोडमैप' पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी।''

A Fresh Reason to Return...!

- Specious Room with Beautiful Ambiance
- Wi-Fi Connectivity Rooms
- Swimming Pool/ Kids Pool/ Pool Party
- Office Functions & Party Space Available
- Dining Area
- In House Restaurants
- Non-Smoking Rooms
- Kids Play Zone
- Travel Desk
- Led TV with Exhaustive Channel List
- STD/ISD Calling Facility
- Lavatories
- 24 Hrs Bell Desk/ Room Service
- 24 Hrs Security/ CCTV
- Wake-up Call Facility
- Coffee Corner Round the Clock

2 Minutes Away from NEW DIGHA RAILWAY STATION

PICKUP & DROP FACILITY AVAILABLE

Four Square by Basu Hotel

PLOT NO-79, N 2 SECTOR, NEW DIGHA

For Booking call Mr. Tamal Das : M.: 90 8325 0083/ 82 9653 8545

For Enquiry call Mr. Uday Shaw : M.: 98300 17241

THIS HOTEL BELONGS TO SHAW GROUP OF HOTELS

जागरूकता से ही पूरा होगा स्वस्थ भारत का संकल्प

निष्क्रिय जीवन व प्रसंस्कृत खाद्य-पेय पदार्थों के सेवन वाली पश्चिमी भोजनशैली का अंधानुकरण मोटापे के मुख्य कारण हैं। विडंबना यह है कि हम मोटापे को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि यह अनेक गंभीर गैर संक्रामक रोगों की वजह बनता है। दरअसल, मोटापे के कारण मधुमेह व उच्च रक्तचाप के साथ ही उच्च कोलेस्ट्रोल की स्थिति पैदा होती है, जो कालांतर में हृदय रोग का कारण भी बनती है। प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल पत्रिका लैंसेट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में करीब सात करोड़ लोग मोटापे से पीड़ित थे। जिसमें 4.4 करोड़ संख्या महिलाओं की थी। सबसे ज्यादा गंभीर बात यह है कि सवा करोड़ बालक-बालिकाएं भी मोटापे से पीड़ित थीं। वहीं आईसीएमआर की रिपोर्ट तो बड़े खतरे की ओर इशारा करती है। जिसके अनुसार देश में करीब बारह करोड़ लोग मोटापे से होने वाली बीमारियों मसलन डाइबिटीज, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रोल आदि से पीड़ित हैं। निश्चित रूप से यह स्थिति स्वस्थ भारत के मिशन के लक्ष्य पर पानी फेरने वाली है। तभी पिछले दिनों राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोटापे की गंभीर होती समस्या पर चिंता जताई थी। उन्होंने देश में मोटापे के खिलाफ जन अभियान शुरू करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री की इस अपील को देश की प्रसिद्ध हस्तियों का भरपूर समर्थन मिला है। इतना ही नहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण पूर्व एशिया इकाई ने प्रधानमंत्री की सार्थक पहल का स्वागत करते हुए नियमित शारीरिक सक्रियता, पौष्टिक व संतुलित भोजन की प्राथमिकता के साथ मोटापे के विरुद्ध मुहिम की बात कही।

उल्लेखनीय है कि मोटापे के खिलाफ राष्ट्रव्यापी मुहिम की जिम्मेदारी देश के सात सौ मेडिकल कॉलेजों को सौंपी गई है। मेडिकल कॉलेज के स्वास्थ्य विशेषज्ञों व कार्यकर्ताओं की टीमें घर-घर जाकर संदेश देंगी कि मोटापा सिर्फ समस्या नहीं बल्कि गंभीर बीमारियों का कारक है। इस मुहिम में शामिल होते हुए दिल्ली एम्स के चौदह डॉक्टरों ने मोटापे के हमारी सेहत पर पड़ने वाले घातक प्रभावों पर विमर्श करते हुए, नागरिकों से सक्रिय व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। महत्वपूर्ण बात यह है कि शीघ्र ही देश के सभी सरकारी अस्पतालों में मोटापे के खिलाफ अभियान के क्रम में विशेष ओपीडी संचालित होंगी। यहां अन्य स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा आहार विशेषज्ञ भी पौष्टिक व संतुलित भोजन के साथ योग व व्यायाम की जानकारी देंगे। चिकित्सकों का मानना है कि मोटापे की वजह से फेफड़ों पर भी दबाव बढ़ता है। इससे अस्थमा व नींद की अनियमितता से जुड़ी बीमारियां पैदा हो सकती हैं। वहीं जोड़ों पर अधिक दबाव बढ़ने से गठिया और आर्थराइटिस जैसी बीमारियां भी पैदा हो सकती हैं। यही वजह है कि डब्ल्यूएचओ मोटापे को एक वैश्विक महामारी के रूप मे देख रहा है। जो पिछले पांच दशकों में तीन गुना बढ़ चुका है। सबसे बड़ी चुनौतियां गृहिणियों के स्वास्थ्य को लेकर हैं। दरअसल, महिलाओं में वर्ष 2022 में मोटापे की दर 9.8 फीसदी हो गई है। निश्चित रूप से देश में मोटापे के खिलाफ लड़ाई कई मोर्चों पर लड़नी होगी। योग व अन्य शारीरिक व्यायाम इसमें खासे मददगार हो सकते हैं।

ब्रिटेन के सांसद ने लंदन के स्टेशन पर 'बंगाली' भाषा में साइनबोर्ड पर आपत्ति जताई, मस्क ने किया समर्थन

लंदन : ब्रिटेन के एक सांसद ने लंदन के व्हाइटचैपल स्टेशन पर बंगाली भाषा में लिखे 'साइनबोर्ड' पर आपत्ति जताई और कहा कि यह केवल अंग्रेजी में ही लिखा होना चाहिए। एलन मस्क ने सांसद की बात का समर्थन किया है। ग्रेट यारमाउथ से सांसद रूपर्ट लोव ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें व्हाइटचैपल स्टेशन पर अंग्रेजी और बंगाली भाषा में लिखा साइनबोर्ड दिखाई दे रहा है। लोव ने रविवार को अपने पोस्ट में कहा, यह लंदन है - स्टेशन का नाम अंग्रेजी में होना चाहिए केवल अंग्रेजी में। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने लोव के पोस्ट पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ ने उनके विचारों का समर्थन किया, जबकि अन्य ने कहा कि दो भाषाओं में साइनबोर्ड होना ठीक है। मस्क ने भी इस पोस्ट पर टिप्पणी कीं। उन्होंने कहा, "हां"। पूर्वी लंदन में बांग्लादेशी समुदाय के योगदान को सम्मान देने के लिए 2022 में व्हाइटचैपल स्टेशन पर बंगाली भाषा में साइनबोर्ड लगाया गया था।

आज का पंचांग

कोलकाता : 11 फरवरी, मंगलवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, माघ शुक्लपक्ष चतुर्दशी, 18:59 तक, नक्षत्र : पुष्य, 18:34 तक, योग : आयुष्मान, 09:05 तक, सूर्योदय: 6:11, सूर्यास्त: 17:31, चन्द्रोदय : 16:25, चन्द्रास्त: 05:20, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 14:39 से 16:03

राशिफल

मेष : आपकी परीक्षा का दौर चल रहा है, बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें, इससे आपका करियर सही दिशा में जा सकता है। आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है।

वृष : दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रोफेशनल मामले में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है।

मिथुन : आज का दिन उत्साह से भरा दिन रहेगा। आज आपको करियर से जुड़ी ऐसी खबर मिल सकती है , जिसका इंतजार आप काफी दिनों से कर रहे थे।

कर्क : आज का दिन आपके लिए स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। आज कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं। इससे आपको भविष्य में लाभ मिलेगा।

सिंह : आज दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो, तो फौरन आगे बढ़ें इससे आपको लाभ होता जाएगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले शिकवे दूर करने का समय है।

कन्या : आज आपका दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। कार्यस्थल पर दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा और इसकी खुशी होगी। पहले से चली आ रही टेंशन भी कम हो जाएगी।

तुला : आपको दिन के पहले हिस्से मे फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेन-देन और बिजनेस में खतरा हो सकता है।

वृश्चिक : दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक बिजनेस में मुनाफे के कईं मौके आएंगे। पार्टी में किसी अच्छे और असरदार लोगों से मेल मुलाकात होगी।

धनु : आज आपका टाइम अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कईं इच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने-फिरने से कोई जरूरी कम बन सकता है।

मकर : आज आपकी किसी से अनबन न हो, इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनेस में मुनाफे की आशा रहेगी और शादीशुदा जिंदगी में भी कामयाब होगी।

कुम्भ : आज टीमवर्क से काम करने वाला दिन है। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे का आइडिया आ सकता है।

मीन : आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखेंगे, तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं।

आखिर दिल्ली में क्यों ढ़हा 'आप' का किला?

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढ़ह गया है। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई है। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई?

दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई। केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं 'वीआईपी कल्चर' के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे, भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली।

पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढ़ांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी लेकिन विपक्ष ने इसे 'रेवड़ी संस्कृति' कहकर आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया। इसके अलावा, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में आई समस्याओं ने जनता के बीच नकारात्मक धारणा बनाई, जिससे 'आप' की लोकप्रियता में गिरावट आई। दिल्ली में सड़क, परिवहन और स्वच्छता के क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढ़ांचे

दिल्ली विधानसभा चुनाव विश्लेषण

के विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। इसके अलावा प्रदूषण, जलभराव और कूड़े के ढ़ेर जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता में केजरीवाल सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी थी। इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने मतदाताओं को निराश किया। दिल्ली में आप की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को माना जाता रहा लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा ने भी 'आप' वाला ही दांव खेला और अपने चुनावी संकल्पों में महिलाओं, बच्चों व युवाओं से लेकर ऑटो रिक्शा चालकों तक के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की ही, साथ ही यह ऐलान भी किया कि वह सत्ता मिलने पर आप द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जारी करेगी। भाजपा की इन घोषणाओं से आप की चुनौती बहुत बढ़ गई थी।

विपक्ष और खासकर भाजपा की मजबूत रणनीति तथा भाजपा का मुखर प्रचार आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना। भाजपा ने आप सरकार की तमाम कमजोरियों को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कांग्रेस ने भी इस तरह टिकट बांटे, जिसने कई सीटों पर आप को आसान जीत से रोकने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार, विकास की कमी और अन्य मुद्दों पर केंद्रित अभियानों ने जनता के बीच आप के प्रति नकारात्मक धारणा बनाई। भाजपा ने सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को भी पुरजोर तरीके से उठाया, जिससे आप के समर्थन में बड़ी कमी आई। चुनाव से पहले कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की चर्चाएं थी लेकिन हरियाणा विधानसभा में दोनों के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण दिल्ली में भी दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो सका, जिसके चलते विपक्षी मतों का विभाजन हुआ और इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने के फैसले ने आप की रणनीतिक कमजोरी को उजागर किया और विपक्षी एकता की कमी का स्पष्ट संकेत दिया। इसका भी दिल्ली के मतदाताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ा। पिछले दो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक भी सीट नहीं जीती थी। 2015 में कांग्रेस को 9.7 प्रतिशत मत मिले थे लेकिन 2020 में मतों का प्रतिशत गिरकर महज 4.3 फीसद रह गया था लेकिन इस बार कांग्रेस के मत प्रतिशत में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका नुकसान भी आप को भुगतना पड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर चुनावी सभा में 'आप' को ऐसी 'आपदा' करार देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने का भरपूर प्रयास किया, जिसने जनता के फायदे के लिए मिलने वाली केंद्र की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया, उससे मतदाताओं के बीच आप की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा और प्रधानमंत्री के 'आपदा' वाले नारे से भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कई गुना बढ़ा। दिल्ली की आबादी में पूर्वांचल (बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड) से आए लोगों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है और विपक्ष ने इस समुदाय की समस्याओं को नजरअंदाज करने के आरोप लगाते हुए आप सरकार को इस मुद्दे पर घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में जहरीले झाग की समस्या, आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने देना, बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों ने पूर्वांचली समुदाय में असंतोष बढ़ाया। इस उपेक्षा के कारण इस समुदाय का समर्थन आप से हटकर अन्य दलों की ओर गया और इसका नुकसान आप को भुगतना पड़ा।

बहरहाल, केजरीवाल का दावा था कि वे राजनीति में नैतिकता और शुचिता की राजनीति करने आए हैं लेकिन उन्होंने दूसरे राज्यों के चुनावों में जिस तरह से पैसा खर्च किया और दिल्ली में कोरोना काल के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर जो 'शीशमहल' बनवाया, उसे लेकर उन पर लगातार लगते रहे आरोपों का पार्टी के पास ही कोई कारगर जवाब नहीं था। देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के बड़े-बड़े दावों के बीच शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के छींटे, केजरीवाल की तानाशाहीपूर्ण नेतृत्व शैली, उनका अड़ियल रवैया, इस तरह की बातों से मतदाताओं का केजरीवाल से मोहभंग होता गया और भाजपा एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरती गई। कुल मिलाकर, केजरीवाल की कथनी और करनी के बीच बड़ा अंतर आप की हार का बड़ा कारण रहा। दिल्ली की खस्ताहाल सड़कों और बारिश के मौसम में जलभराव के मुद्दे ने भी दिल्ली में केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ाई। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही इस मुद्दे पर आप को घेरा, जिसने आप की लुटिया डुबोने में बड़ी भूमिका निभाई।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

प्रतिस्पर्धा नहीं बालमन को चाहिए मोटिवेशन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बडी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। देश के प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवन लीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। हांलाकि शिक्षा नगरी कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम हो गया है पर कोटा से अधिक आत्महत्याएं देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। हांलाकि कोचिंग हब कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर यह विषयांतर होगा। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों और पैरेंट्स को भी स्पष्ट संदेश दिया है।

इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशियल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि 20-21 वीं सदी में दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक ही रहते थे उसके बाद लगभग दोगुणे द्वितीय श्रेणी में व बाकी तीसरी डिविजन में संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। 80 से 90 प्रतिशत तक उससे कम और पर उनसे भी कम बच्चें इससे कम प्रतिशत में होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बली चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही ही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चें की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं।

परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत ड़ालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया। सबसे खास बात यह कि बच्चों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। हमें दूसरे के

संदर्भ-मन की बात में परीक्षा पर चर्चा

स्थान पर स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी है। स्वयं से प्रतिस्पर्धा करेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। दरअसल होता यह है कि दूसरे प्रतिस्पर्धा करने के चक्कर में नकारात्मकता अधिक आती है। होना तो यह चाहिए कि अपनी कमियों को ही सबक बनाकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश नहीं होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। मोदी जी ने मन की बात में बच्चों, परिजनों और टीचर्स तीनों को ही संदेश देने का प्रयास किया है। होता यह है कि जो बच्चें हौशियार होते हैं या प्रभावशाली परिवार के हैं तो टीचर्स का उन पर विशेष ध्यान होता है और जो बच्चें कमजोर होते हैं तो पीटी मीटिंग के माध्यम से पैरेंट्स को नीचा दिखा कर इतिश्री कर लेते हैं। बच्चों की नाकामी पर कभी किसी स्कूल ने या टीचर ने जिम्मेदारी ली हो यह आज तो लगभग असंभव ही है। चाहे आप पढ़ाई के नाम पर स्कूल को कितनी ही फीस देते हो आप पर प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष तौर पर बच्चें को ट्यूशन कराने का दबाव तो आ ही जाता है। यदि शिक्षण संस्थानों में कमजोर और औसत बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाएं तो तस्वीर का पहलू दूसरा ही हो सकता है। इसी तरह से पैरेंट्स को भी नसीहत देने में मोदी जी पीछे नहीं रहे हैं। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा। अपनी अपेक्षाएं उस पर लादने के स्थान पर दिशा देने के प्रयास करने होंगे। बच्चों के साथ बैठकर खुलकर बात करें। उनकी ईच्छा, लगन और कोई परेशानी है तो उसे समझने का प्रयास करें। बच्चों में परस्पर तुलना करके बालक मन को कुंठित नहीं करना चाहिए। बच्चों को निराश करने के स्थान पर मोटिवेट करने के समग्र प्रयासों की आवश्यकता है। बच्चों को मशीन नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों को समझाया यह जाना चाहिए कि 24 घंटें का समय सभी के पास होता है, इस समय को किस प्रकार से उपयोग करना है इस पर फोकस हो तो निश्चित रुप से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कहने का अर्थ यह है कि बच्चों का मनोबल बढ़ाने उनमें सकारात्मकता विकसित करने की दिशा में हमें काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षाओं से पहले अपने प्रधानमंत्री काल में 8 वीं बार परीक्षा पर चर्चा करते हुए बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को संदेश देने का सार्थक प्रयास किया गया है। अब सबका दायित्व हो जाता है कि इन सकारात्मक पक्षों को बच्चों तक पहुंचाया जाएं। बच्चों को समझाना होगा कि बड़ी बात जीवन में सफल होना है।

विदेश की खबरें

बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मस्कट में जयशंकर के साथ कर सकते हैं बैठक

ढाका : बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों में और तनाव को रोकने के प्रयासों के तहत अगले सप्ताह ओमान में हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक कर सकते हैं। आठवां हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी 2025) 16-17 फरवरी को मस्कट में आयोजित होने वाला है। नयी दिल्ली स्थित शोध संस्थान 'इंडिया फाउंडेशन' द्वारा ओमान के विदेश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह सम्मेलन क्षेत्रीय संवाद के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है। 'प्रोथोम आलो' अखबार की खबर के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच सम्मेलन के दौरान बैठक तय है। राजनयिक सूत्रों ने रविवार को संकेत दिया कि बांग्लादेश इस बैठक का इस्तेमाल दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में और तनाव रोकने के लिए संदेश देने के वास्ते कर सकता है। खबर में कहा गया है कि पिछले महीने विदेश मंत्री जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश सलाहकार को सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। यदि हुसैन और जयशंकर के बीच प्रस्तावित बैठक होती है, तो यह पांच महीनों में उनकी वार्ता का दूसरा दौर होगा।

तीसरे संघीय न्यायाधीश ने जन्मजात नागरिकता संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर रोक लगाई

कॉनकोर्ड : एक तीसरे संघीय न्यायाधीश ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों के बच्चों की जन्मजात नागरिकता समाप्त कर दी गई थी। न्यू हैम्पशायर में अमेरिकी जिला न्यायाधीश जोसेफ एन लाप्लांटे का यह फैसला पिछले सप्ताह सिएटल और मैरीलैंड के न्यायाधीशों द्वारा सुनाए गए इसी तरह के दो फैसलों के बाद आया है। 'अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन' द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया है कि ट्रंप का आदेश संविधान का उल्लंघन करता है और 'सबसे मौलिक अमेरिकी संवैधानिक मूल्यों में से एक को खत्म करने का प्रयास करता है।' ट्रंप के रिपब्लिकन प्रशासन ने दावा किया है कि गैर-नागरिकों के बच्चे अमेरिका के 'अधिकार क्षेत्र के अधीन' नहीं हैं और इसलिए वे नागरिकता के हकदार नहीं हैं।

नेपाल में ऑनलाइन जुआ रैकेट चलाने के आरोप में 23 भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू : नेपाल पुलिस ने सोमवार को हिमालयी राष्ट्र के बागमती प्रांत में 'ऑनलाइन जुआ रैकेट' चलाने के आरोप में 23 भारतीयों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपाधीक्षक अपिल कुमार बोहरा के अनुसार, ये गिरफ्तारियां काठमांडू से 10 किलोमीटर उत्तर में स्थित बुधनीलकांठा नगरपालिका में दो मंजिला इमारत से की गईं। अधिकारी के अनुसार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर इमारत पर छापा मारा, जहां से भारतीय 23 नागरिकों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

वर्ग पहेली नं. 3001

1		2	3	■	4	■	5	■	6
■	■	7		8		■	9		
10	11		■	12		13		■	
14		■	15		■	16		17	
■	18			■	19		■		■
20	■	■	21			■	22		
23		24		■	25	26			■
	■	27		28	■	29		■	30
31			■	32		■	33		

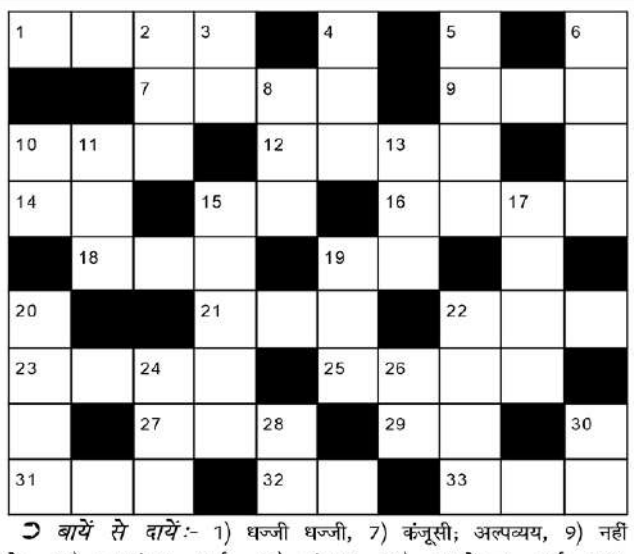

बायें से दायें :- 1) धज्जी धज्जी, 7) कंजूसी; अल्पव्यय, 9) नहीं तो, 10) जलकुंतल; काई, 12) भंडारा, 14) स्वरयोजना; तर्ज़; नाश, 15) शणतंतु; अंबारी; पटसन; जूट, 16) आपत्ति निवारण करना; राज़ी करना, 18) मनोघात, 19) कर्ण, 21) नेत्र, 22) मोमदिल, 23) यथार्थ में, 25) उपदेश, 27) आरंभकर्ता; मिथिलेश *(रामायण)*, 29) पापी; दुष्ट, 31) अलस्सुबह; पौ फटे, 32) नमक; *ऐल्कली*, 33) कृत्रिम जलाशय.

ऊपर से नीचे :- 2) एक भाषा, 3) रात; लाल; व्यस्त, 4) राहत; लाभ, 5) चक्रावर्तन, 6) आपसदारी; यातायात, 8) बुरी लत, 10) पर्वत, 11) कौआ, 13) कै; उलटी, 15) समीक्षा, 17) असंस्कृत; अप्रासंगिक; ख़राब, 19) जंगल, 20) पोस्तदाना, 22) भयभीत, 24) नाचगाना; अभिवादन, 26) कुपरामर्श; *ब्रेनवाशिंग*; उपदेश, 28) परिक्रमामार्ग, 30) दुर्गुण.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

प्र	सू	ता	■	को	र	स	■	क	ट्टी
■	र	■	बै	ठा	■	रा	हु	ल	■
आ	ज	क	ल	■	गा	य	■	क	मी
ग्र	■	पा	■	प	ढ़ा	■	च	ल	न
ह	व	ल	दा	र	■	प	र्चा	■	मे
■	र	■	ह	वा	■	र	■	पं	खा
ग	दी	ला	■	न	त	म	स्त	क	■
ता	■	धा	■	गी	ला	■	ब	■	सि
यु	वा	व	स्था	■	शी	■	क	ड़	वा

शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2961

			3			9		
7							8	
1				5				
6	2		4					
5								7
	3					4	2	
	8			7				
					1			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2960 का उत्तर

4	9	7	1	6	5	8	2	3
6	2	3	8	7	4	5	9	1
1	5	8	3	9	2	7	4	6
9	3	1	7	2	8	6	5	4
8	4	2	6	5	3	1	7	9
5	7	6	9	4	1	2	3	8
3	8	9	5	1	7	4	6	2
2	1	5	4	3	6	9	8	7
7	6	4	2	8	9	3	1	5

राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ बंगाल विधानसभा का बजट सत्र

राज्यपाल ने की ममता की तारीफ, राज्य सरकार की उपलब्धियों को सराहा

ममता सरकार की गिनाईं उपलब्धियां, भाषण में आरजीकर मामले का जिक्र नहीं होने पर भाजपा विधायकों ने जताया विरोध

कोलकाता, समाज्ञा : राजभवन और बंगाल सरकार के बीच संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने सोमवार को विधानसभा में अपने संबोधन में राज्य सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक दूरदर्शी, उद्यमशील और गतिशील नेता बताया। विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अपने पारंपरिक अभिभाषण में राज्यपाल बोस ने हाल में कोलकाता में संपन्न दो दिवसीय बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) का उल्लेख करते हुए इसे काफी सफल बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रस्तावित निवेश के जमीन पर उतर जाने के बाद आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और बंगाल के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सदन को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पिछले एक साल में राज्य में कानून व्यवस्था शांतिपूर्ण रही है। हालांकि, राज्य में मुख्य विपक्षी भाजपा विधायकों ने अभिभाषण में सरकारी आरजीकर अस्पताल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना का कोई उल्लेख न होने सहित विभिन्न मुद्दों पर विरोध जताते हुए राज्यपाल के भाषण को बाधित करने की कोशिश की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने राज्यपाल के भाषण के दौरान आरजीकर-आरजीकर के नारे लगाए। शुभेंदु ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि राज्यपाल ने जल स्वप्न योजना के बारे में बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन योजना का नाम बदलकर जल स्वप्न कर दिया है। शुभेंदु ने कहा कि बंगाल सरकार ने केंद्र को वचन दिया था कि वे योजना का नाम नहीं बदलेंगे और फिर केंद्रीय धन जारी किया गया। मैं फिर से केंद्र को लिखूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि इस योजना का धन रोका जाए। इससे पहले दिन में शुभेंदु ने यह भी दावा किया कि राज्यपाल ने बंगाल सरकार द्वारा भेजे गए अभिभाषण के पहले मसौदे को वापस कर दिया था क्योंकि इसमें राज्य सरकार की आलोचना थी।

❑ **ममता सरकार की 13 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं**

अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 13 वर्षों में अल्पसंख्यक आबादी के लाभ के लिए शिक्षा, मदरसों के आधुनिकीकरण, रोजगार सृजन, कौशल विकास और स्थायी आजीविका पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनेक पहल की हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय मुश्किलों एवं कुछ योजनाओं में केंद्रीय धनराशि के नहीं मिलने के बाद भी राज्य सरकार रोजगार सृजन एवं ग्रामीण आवास के प्रति प्रतिबद्ध बनी रही है। बोस ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मश्री और बांग्लार बाड़ी (ग्रामीण) योजनाएं शुरू की हैं, जिनका वित्त-पोषण पूरी तरह से राज्य के अपने संसाधनों से होता है।

❑ **'बजट का एक तिहाई हिस्सा महिलाओं के सशक्तीकरण पर खर्च किया जा रहा'**

राज्यपाल ने यह भी कहा कि राज्य में विकास पर किए गए कुल व्यय का एक तिहाई हिस्सा महिलाओं के सशक्तीकरण पर खर्च किया जाता है और उन्होंने ममता सरकार की महत्वाकांक्षी लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री और रूपश्री जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने उल्लेख किया कि लक्ष्मी भंडार योजना में राज्य में 2.21 करोड़ से अधिक महिलाओं को मासिक वित्तीय लाभ दिया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विधानसभा में बोस का स्वागत किया और अभिभाषण के बाद उन्हें बाहर तक जाकर विदा किया। राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने एक दूसरे का कुशलक्षेम भी पूछा।

कुलपी में लॉरी की टक्कर से एक छात्रा की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : निश्चिंतपुर चौराहे के पास रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर सोमवार को ईंट लदे लॉरी की टक्कर में एक छात्रा की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूटा। यह दुर्घटना राजनगर से कुलपी जाते समय हुई। स्थानीय सूत्रों ने बताया है कि मृत छात्रा का नाम दीया भंडारी (17) है जो राजनगर क्षेत्र की निवासी बतायी गई है। बताया गया है कि इस दिन, सुबह में छात्रा ट्यूशन से घर लौट रही थी कि उक्त हादसा हुआ। स्थानीय लोगों की मदद से छात्रा को इलाज के लिए बेलपुकुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बाद में, स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कुलपी थाना पुलिस दुर्घटनास्थल पर पहुंची। स्कूली छात्रा की मौत से आसपास के क्षेत्र में शोक की छाया छा गई है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : टीआरएस/एचडब्ल्यूएच/10/ओटी/136 दिनांक 07.02.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरएस), बामनगाछी, पूर्व रेलवे, हावड़ा-711106 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदाकारों से ई-निविदा प्रपत्र के माध्यम से निम्नलिखित ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, हावड़ा में 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए "डब्ल्यूएपी-4 इलेक्ट्रिक लोको की 60 फ्लेक्सी कॉइल बोगियों की मरम्मत/ओवरहॉलिंग (जीर्णोद्धार)"। **अनुमानित मूल्य:** रु.80,38,365.08, **बोली प्रतिभूति:** रु. 1,60,800/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य।, **समापन अवधि:** 36 माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 26.02.2025 को 15.00 बजे। ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। इच्छुक/योग्य फर्मों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। किसी भी संशोधन को यहाँ दी गई वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। HWH-593/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ममता ने हिंदू वोटों को विभाजित करने के लिए कांग्रेस-सीपीआईएम को दी खुली छूट : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी पर कांग्रेस और सीपीआईएम के साथ साठगांठ का आरोप लगाया है। उन्होंने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि ममता ने बंगाल में कांग्रेस और सीपीआईएम को हिंदू वोटों को विभाजित करने की खुली छूट दे दी है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने राज्य में कांग्रेस और सीपीआईएम को हिंदू वोटों को विभाजित करने की खुली छूट दी है। वह (ममता) किसी भी चीज की योजना बनाने में बहुत चतुर हैं। उन्होंने राज्य में सीपीआईएम को जिंदा करके रखा है। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस और सीपीआईएम को पांच फीसदी से अधिक हिंदू वोट मिला था। अगर उस समय के नतीजे उठाकर देखें तो पता चलेगा कि भाजपा के 12 उम्मीदवार एक लाख से कम वोटों से चुनाव हारे थे। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी जानती हैं कि मुस्लिम वोट पूरी तरह से तृणमूल के पक्ष में आएंगे, इसलिए वह हिंदू वोट तोड़ने के लिए कांग्रेस और सीपीआईएम की मदद कर रही हैं। मुझे लगता है कि ममता बनर्जी की पार्टी मुस्लिम लीग 2 है। तृणमूल घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है और राज्य सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन नहीं दे रही है। उन्होंने राज्य में छह नए मदरसे बनाने की घोषणा की है। इतना ही नहीं, उन्होंने मुस्लिम समाज को ओबीसी की लिस्ट में भी डाल दिया है। यह फैसला असंवैधानिक है। यहां धर्म के आधार पर मुस्लिमों को ओबीसी में डाला जा रहा है। मुझे लगता है कि तृणमूल हिंदू वोट को तोड़ने के लिए ये साजिश रच रही है और इसलिए बंगाल की जनता 2026 के विधानसभा चुनाव में करारा जवाब देगी।

❑ **भाजपा नेता ने इंडिया गठबंधन पर भी साधा निशाना**

शुभेंदु अधिकारी ने 'इंडिया' गठबंधन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस नाम का कोई गठबंधन नहीं है। यह लोग सिर्फ अवसरवादी हैं, इसलिए यह सिर्फ चोरों और भाई-भतीजावादियों का गठबंधन था। इंडिया अलायंस को बनाने का उद्देश्य यही था कि अपने परिवार के लोगों का हित किया जाए। विपक्ष ने ईडी और सीबीआई को रोकने के लिए गठबंधन बनाया था। यह गठबंधन अब खत्म हो चुका है। नेता प्रतिपक्ष ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के अस्तित्व को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि जिस दिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी के बुलावे पर केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व यहां नहीं आया था, उसी दिन बंगाल में कांग्रेस खत्म हो गई थी।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. : 333_2024-25, दिनांक 05.02.2025, वरिष्ठ मंडल अभियंता/2, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा। कार्य का विवरण** : एईएन/डानकुनी के तहत एसएसई/डब्ल्यू/डानकुनी की शाखा में कॉलोनी क्वार्टर के बाहरी नवीनीकरण और टपक रही छत के मरम्मत कार्य का प्रावधान तथा एईएन/डानकुनी के तहत एसएसई/डब्ल्यू/डानकुनी की शाखा में कॉलोनी क्वार्टर के आंतरिक नवीनीकरण और दरवाजे एवं खिड़की के प्रतिस्थापन के लिए प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,31,75,480.62, **बयाना राशि:** रु. 2,15,900/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) :** शून्य । **समापन अवधि :** 12 माह । यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 26.02.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-592/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: डीआरएमईएनजीजी आरएनसी-13-2025, दिनांक: 10.02.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/अभियांत्रिकी/दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** रांची मंडल के अधिकार क्षेत्र के लिए बाकुडीह/बड़हरवा/पिनरगड़िया/पाकुड़/राजग्राम/तालझड़ी क्वैरी साइडिंग पर 50 मिमी. आकार के 107745 घन मीटर मशीन चूर्ण कड़े स्टोन ट्रैक बैलास्ट की आपूर्ति तथा रेलवे वैगनों/हॉपरों में लदायी (माप गंतव्य पर लिया जायेगा)। **निविदा मूल्य:** ₹ 15,73,05,545.10। **जमा बयाना राशि:** ₹ 9,36,500। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 03.03.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। ऑनलाइन निविदा के लिए निविदादाता वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-1119)

दक्षिण रेलवे के तहत ब्लॉक के कारण ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

दक्षिण रेलवे के तहत मद्रास मंडल के जोलारपेट्टै-केत्तांडपट्टी डाउन लाइन पर **दिनांक 14.02, 21.02 एवं 28.02.2025** को तथा पेदपरिया-नायडूपेटा अप लाइन पर **दिनांक 24.02, 27.02.2025 एवं 01.03.2025** को निर्धारित समय के कॉरिडोर ब्लॉक के लिए नीचे उल्लेखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी: ● **पुनर्निर्धारण: 12552 कामाख्या-एसएमवीटी बेंगलुरू एसी सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस** (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 12.02, 19.02 एवं 26.02.2025) 1 घंटा 40 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। ● **मार्ग परिवर्तन: 12504 अगरतला-एसएमवीटी बेंगलुरु हमसफर एक्सप्रेस** (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 22.02 एवं 25.02.2025) परिवर्तित मार्ग **गुडूर-रेणिगुंटा-मेलपक्कम** होकर चलेगी, **पेरम्बुर** में नहीं ठहरेगी तथा **तिरुत्तणि** (आगमन अपराह्न 02.10 बजे/प्रस्थान अपराह्न 02.12 बजे) में अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी तथा **22306 जसीडीह-एसएमवीटी बेंगलुरु साप्ताहिक सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस** (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 28.02.2025) **गुडूर-रेणिगुंटा-मेलपक्कम** होकर चलेगी, **पेरम्बुर** में नहीं ठहरेगी तथा **तिरुत्तणि** (आगमन अपराह्न 01.45 बजे/प्रस्थान अपराह्न 01.47 बजे) में अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

माध्यमिक परीक्षा के पहले दिन पुलिस कमिश्नर ने गुलाब देकर विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

कोलकाता, समाज्ञा : माध्यमिक परीक्षा सोमवार से शुरू हो चुकी है। पद्मपुकुर के एक स्कूल में परीक्षा के पहले दिन परीक्षार्थियों को गुलाब का फूल देकर कोलकाता के पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी को 'ऑल द बेस्ट' कहा। विद्यार्थियों के एक-एक करके परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने के बाद मनोज वर्मा ने संवाददाताओं के माध्यम से कोलकाता पुलिस की तरफ से उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, पुलिस का इंतजाम किया गया है। माध्यमिक बोर्ड के कुछ दिशानिर्देश हैं। इसके अलावा, हमारी तरफ से भी कुछ विशेष व्यवस्था की गई है। फेरी घाट से लेकर कई इलाकों में चेकिंग की गई है। हमें उम्मीद है कि सब कुछ सही रहेगा। इंटरनेट के मुद्दे पर भी ध्यान रखा गया है। हम पूरी व्यवस्था कर चुके हैं। कोलकाता पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

पुलिस नाकाम तो अवैध इमारत तोड़ने के लिए केंद्रीय बल बुलाई जाए : न्यायाधीश अमृता सिन्हा

अवैध निर्माण तोड़ने को लेकर हाईकोर्ट सख्त, 10 मार्च तक समयसीमा की तय

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाईकोर्ट ने नारकेलडांगा में एक अवैध बहुमंजिला इमारत को गिराने का आदेश दिया था, लेकिन अब तक इसे तोड़ा नहीं जा सका है। इस मामले पर सोमवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अगर राज्य पुलिस इस अवैध निर्माण को गिराने में विफल रहती है, तो अदालत केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश देगी। कोलकाता नगर निगम ने हाईकोर्ट को बताया कि यह पांच मंजिला इमारत पूरी तरह अवैध है और इसे गिराने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है। हालांकि, अब तक केवल इमारत की पहली मंजिल खाली कराई जा सकी है, जबकि बाकी मंजिलों पर रहने वाले लोगों को हटाने में प्रशासन असफल रहा है। नगर निगम ने यह भी शिकायत की कि पुलिस से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। कोलकाता पुलिस ने कोर्ट को जानकारी दी कि उन्होंने पहले ही इमारत पर नोटिस चिपका दिया है और निवासियों को खाली करने के लिए कहा गया है। पुलिस का कहना है कि वह अपना काम कर रही है और कोई बाधा न आए, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि अगर पुलिस इस आदेश को लागू करने में असफल रहती है, तो केंद्रीय बलों को तैनात करना ही एकमात्र विकल्प होगा। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि प्रशासन को 10 मार्च तक का समय दिया जाता है। इस अवधि के भीतर यदि अवैध इमारत को ध्वस्त नहीं किया गया, तो अदालत केंद्रीय बलों को तैनात करने का निर्देश देने के लिए मजबूर होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी।

पूर्व रेलवे

एनआईटी सं. : 343_2024-25, दिनांक 06.02.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के क्षेत्रधिकार हेतु) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण** : (i) एईएन/बीडीसी के अधीन बैण्डेल में साहेबपाड़ा रेलवे कॉलोनी में जीएम निरीक्षण के संबंध में क्षतिग्रस्त दरवाजे, खिड़कियों, सैनिटरी फिटिंग्स, बाउंडरी वॉल, ड्रेनों, कोर्टयार्ड और चिल्ड्रेन पार्क की मरम्मत व्यवस्था सहित स्टाफ क्वार्टरों के आंतरिक/बाहरी सतह की उन्नति और नवीनीकरण; और (ii) पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में हावड़ा-बैण्डेल शाखा में कोन्नगर, श्रीरामपुर, भद्रेश्वर और हुगली में पोस्ट के स्विचिंग का नवीनीकरण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,26,96,514.12, **बयाना राशि:** रु. 2,63,500/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 28.03.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-591/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 78/ईटी/2024-25 दिनांक: 04.02.2025

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	11241413	रूफ कम्पलीट फॉर एलडब्लूआरआरएम एलएचबी कोच	120 नग	04.03.2025
02	12241383	ब्रेक सर्पोट	9611 नग	21.02.2025
03	11241360	रूफ सेटिंग कम्पलीट फॉर जीएस कोचेज	462 नग	07.03.2025
04	11251029	किट फॉर अन्डरफ्रेम ऑफ एलडब्लूएस (इओजी) कोच	295 सेट	04.03.2025
05	03241971ए	सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशिनिंग फॉर कम्प्लीट फर्निसिंग ऑफ एलएचबी ट्रैक इन्सपेक्शन कम मॉनिटेरिंग कोचेज	69 नग	25.02.2025
06	12241303	लॉकिंग पिन	124261नग	19.03.2025
07	12241312	अडजसटिंग सिम फॉर बाडी सपोर्ट फॉर फीऐट बोगी	51394 नग	17.03.2025
08	12241315	सेक्योरिटी डिस्क	27286 नग	21.03.2025
09	11251021	किट फॉर अंडर फ्रेम ऑफ एलडब्लूएससीजेड (ईओजी) कोच	111 सेट	11.03.2025
10	11251022	किट ऑफ रूफ कम्पोनेंट आईटमस ऑफ एलडब्लूएससीजेड कोच	111 सेट	11.03.2025

शुद्धि पत्र

01	73/ईटी/2024-25 दिनांक: 10.01.2025	टेंडर न. 12241382	निविदा खुलने की तिथि 04.02.2025 स्थान पर तिथि 14.02.2025 पढ़ें
02	73/ईटी/2024-25 दिनांक: 10.01.2025	टेंडर न. 11241237	निविदा खुलने की तिथि 18.02.2025 स्थान पर तिथि 04.03.2025 पढ़ें
03	73/ईटी/2024-25 दिनांक: 10.01.2025	टेंडर न. 11241283	निविदा खुलने की तिथि 13.02.2025 स्थान पर तिथि 04.03.2025 पढ़ें
04	74/ईटी/2024-25 दिनांक: 15.01.2025	टेंडर न. 11241271	निविदा खुलने की तिथि 06.02.2025 स्थान पर तिथि 04.03.2025 पढ़ें
05	76/ईटी/2024-25 दिनांक: 25.01.2025	टेंडर न. 11241272	निविदा खुलने की तिथि 17.02.2025 स्थान पर तिथि 04.03.2025 पढ़ें
06	75/ईटी/2024-25 दिनांक: 18.01.2025	टेंडर न. 11241242	निविदा खुलने की तिथि 12.02.2025 स्थान पर तिथि 04.03.2025 पढ़ें
07	66/ईटी/2024-25 दिनांक: 09.12.2024	टेंडर न. 05241266	निविदा खुलने की तिथि 04.02.2025 स्थान पर तिथि 12.02.2025 पढ़ें

(Website Address: www.ireps.gov.in & www.mcf.indianrailways.gov.in)

उप. मुख्य सामग्री प्रबंधक/शैल

ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 79/ईटी/2024-25 दिनांक: 08.02.2025

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	05251009	हार्नेस ऑफ अंडरफ्रेम एंड रूफ अरेंजमेंट फॉर एलएचबी पावर कार टाईप कोचेज	57 सेट	03.03.2025
02	07241981	हाट फार्मिंग डीआईई लूब्रीकेन्ट	64500 किग्रा	04.03.2025
03	12241308	ट्रैक्शन लीवर	14408 नग	03.03.2025
04	11251039	रूफ वेन्टीलेटर आरेंजमेंट	2712 नग	07.03.2025

शुद्धि पत्र

01	73/ईटी/2024-25 दिनांक: 10.01.2025	टेंडर न. 12241457	निविदा खुलने की तिथि 10.02.2025 स्थान पर तिथि 25.02.2025 पढ़ें

(Website Address: www.ireps.gov.in & www.mcf.indianrailways.gov.in)

उप. मुख्य सामग्री प्रबंधक/शैल

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हाईकोर्ट में मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार की बहाली की मांग को लेकर याचिका

अदालत के आदेश पर रजिस्ट्रार को अपने पद से पड़ा था हटना

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाईकोर्ट में पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार को पद से हटाने के आदेश की समीक्षा की मांग को लेकर याचिका दायर की गई है। बता दें कि 30 जनवरी को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की पीठ ने आदेश दिया था कि मानस को 24 घंटे के भीतर रजिस्ट्रार के पद से इस्तीफा देना होगा। अदालत के आदेश पर उन्हें अपने पद से हटना पड़ा था। इस स्थिति में कई डॉक्टरों ने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले की सुनवाई अगले गुरुवार को होने की संभावना है। वादियों के अनुसार, मानस को रजिस्ट्रार के पद से हटाने से राज्य चिकित्सा परिषद के कामकाज में दिक्कतें आ रही हैं। वे चाहते हैं कि जब तक कोई नया व्यक्ति परिषद के रजिस्ट्रार का पदभार ग्रहण नहीं कर लेता, तब तक मानस को इस पद पर बहाल रखा जाए। उन्होंने इस संबंध में मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष मामला दायर किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य चिकित्सा परिषद के रजिस्ट्रार के रूप में मानस का कार्यकाल एक नवंबर, 2019 को समाप्त हो गया। इसके बाद भी पांच वर्षों तक वह उस पद पर बने रहे। बंगाल मेडिकल अधिनियम के अनुसार, कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी पद पर बने रहने के लिए राज्य सरकार से पूर्व अनुमोदन लेना आवश्यक है। आरोप है कि इस मामले में ऐसा नहीं किया गया। यानी, मानस ने राज्य की मंजूरी के बिना पांच साल से अधिक समय तक मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार के रूप में काम किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह अवैध था। फरवरी में एक परीक्षा के माध्यम से एक नए रजिस्ट्रार की नियुक्ति की जाएगी। इस स्थिति में, वादी ने अनुरोध किया है कि नए रजिस्ट्रार की नियुक्ति होने तक मानस को प्रभारी बनाए रखा जाए।

बंगाल में विधानसभा चुनाव में भाजपा को 30 सीटें भी मिलना मुश्किल : कल्याण बनर्जी

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर केंद्रीय बजट में पश्चिम बंगाल की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और दावा किया कि 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को 30 सीट भी नहीं मिलेंगी। उन्होंने लोकसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग भी उठाई कि प्रयागराज महाकुंभ की व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाना चाहिए। तृणमूल सांसद ने कहा कि बजट किस तरह का है इसका असर शेयर बाजार में देखा जा सकता है जहां भारी गिरावट है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बजट में पश्चिम बंगाल की उपेक्षा की गई है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि लोग इस तरह से नजरअंदाज किए जाने का जवाब देंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को बंगाल विस चुनाव में 30 सीटें भी नहीं मिलेगी और उनका नेता प्रतिपक्ष भी नहीं बन सकेगा। कल्याण ने कहा कि आज महिलाओं का भविष्य खतरे में है, तलाक के मामले बढ़ गए हैं।

मणिपुर संकट के समाधान के लिए मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का इस्तीफा नाकाफी : सुष्मिता देव

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस सदस्य सुष्मिता देव ने मणिपुर संकट के समाधान के तौर पर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे को नाकाफी करार देते हुए 'राज्य प्रायोजित अशांति' की जांच की मांग उठाई और कहा कि तभी सच्चाई सामने आएगी। केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा में भाग लेते हुए देव ने दावा किया कि बीरेन सिंह को केवल इसलिए इस्तीफा देने के लिए कहा गया है क्योंकि भारत का पूरा आदिवासी समुदाय भाजपा से दूर चला गया है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'लुक ईस्ट' नीति से 'एक्ट ईस्ट' नीति में बदलाव की रणनीति विफल हो गई है क्योंकि मणिपुर जो 'एशिया का प्रवेश द्वार' है, अब भी जल रहा है। देव ने क्षेत्रीय मुद्दों पर पूर्वोत्तर के अपने सहयोगियों की चुप्पी की आलोचना की और बजट को क्षेत्र के लिए 'असंवेदनशील' करार दिया। तृणमूल सदस्य ने वित्त मंत्री द्वारा अपने बजट भाषण में मणिपुर और उसके लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज का जिक्र नहीं करने की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर में लगभग 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं जबकि हजारों लोग अन्य राज्यों में भाग रहे हैं।

नारकेलडांगा में आग के बाद अशांति, महिला से छेड़छाड़ और छिनतई के आरोप में दो एफआईआर दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : नारकेलडांगा में शनिवार रात को आग लगने के बाद इलाके में स्थिति और भी उग्र हो गई। रविवार दोपहर को काउंसलर और विपक्षी गुट के बीच संघर्ष के दौरान एक महिला के सोने की चेन छीनने का आरोप कुछ अपराधियों पर लगा। इस मामले में सोमवार को नारकेलडांगा थाने में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। शनिवार रात को खालपाड़ के पास एक बस्ती में आग लग गई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और करीब 40 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। दमकल विभाग ने आग को बुझा लिया, लेकिन रविवार सुबह से ही इलाके में स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। स्थानीय लोग प्रशासन की लापरवाही को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। मेयर फिरहाद हकीम ने क्षेत्र में जाकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया, लेकिन इसके बावजूद स्थिति शांत नहीं हो पाई। मेयर के जाने के बाद, नारकेलडांगा थाने के सामने काउंसलर सचिन सिंह धरने पर बैठ गए। इसी दौरान विपक्षी गुट के पप्पू खान और उनके समर्थक वहां पहुंचे और काउंसलर तथा उनके समर्थकों पर हमला कर दिया। आरोप है कि पप्पू खान, हामिद खान और सिकंदर खान ने बांस की लाठियों और लोहे की रॉड से हमला किया। काउंसलर सचिन सिंह ने आरोप लगाया कि इन लोगों ने उनके खिलाफ हत्या की साजिश रची है। इस दौरान, नारकेलडांगा इलाके की निवासी नारगिस बेगम ने आरोप लगाया कि रविवार दोपहर को वह और उनकी दोस्त उस इलाके से गुजर रहे थे, तभी उन पर हमला किया गया। आरोप है कि रॉड और लाठियों से उनकी पिटाई की गई और उनका कपड़ा फाड़ दिया गया। इसके अलावा, उनकी सोने की चेन, जिसकी कीमत लगभग 80 हजार रुपये थी, छीन ली गई। नारगिस बेगम ने पप्पू खान, हामिद खान और सिकंदर खान के खिलाफ नारकेलडांगा थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
• MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
• PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
• RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

तारातला में बस्ती में लगी भीषण आग, कई झोपड़ियां जलकर राख

❑ मेयर ने घटनास्थल का लिया जायजा

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में फिर आगलगी की घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार की शाम करीब 7.15 बजे तारातला में केपीटी कॉलोनी के बगल में स्थित बस्ती में आग लग गई। इस आगजनी में कई झोपड़ियां जलकर राख हो गयीं। खबर मिलते ही मेयर फिरहाद हकीम घटनास्थल पर पहुंचे। वहां उन्होंने अग्निशमन कर्मियों से बात की। सूत्रों के अनुसार, आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि, आग लगने का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है। पता चला है कि यह बस्ती तारातला में केपीटी कॉलोनी के क्वार्टर के बगल में स्थित है। वहां 15 से 20 झोपड़ियां हैं। इस दिन, शाम करीब 7.15 बजे अग्निशमन विभाग को सूचना मिली कि बस्ती में आग लग गई है। दमकल की गाड़ी पहुंचने से पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। पूरी बस्ती आग की लपटों में घिर गई। एक के बाद एक सिलेंडर फट गए। एक-एक करके झोपड़ी में रखा सारा फर्नीचर आग की चपेट में आ गया। अग्निशमन कर्मियों द्वारा कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचे मेयर फिरहाद हकीम ने कहा कि आग किस कारण से लगी, इसका पता नहीं चल पाया है। लेकिन, गरीब लोगों का काफी नुकसान हुआ है। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि आग किस कारण से लगी। हालांकि, मामले की जांच की जा रही है। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि आग पूरी तरह बुझ जाने के बाद ही आग लगने का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने शिक्षकों से ममता की विचारधारा अपनाने का किया आह्वान

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने तृणमूल कांग्रेस के कॉलेज-विश्वविद्यालय शिक्षकों के संगठन से आह्वान किया कि वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विचारधारा को अपनाएं और लोकतांत्रिक तरीके से वामपंथी और दक्षिणपंथी ताकतों का मुकाबला करें। कोलकाता में रविवार को आयोजित पश्चिम बंगाल कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीसीयूपीए) की एक बंद कमरे की बैठक में बसु ने कहा कि विरोधी ताकतें राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को बाधित करना चाहती हैं। एक वरिष्ठ डब्ल्यूबीसीयूपीए सदस्य के अनुसार, इस बैठक में करीब 65-70 सदस्य शामिल हुए।

बैठक के दौरान बसु ने शिक्षकों से अपील की कि वे 'श्यामाप्रसाद पंथी' (समर्थक) और 'मार्क्स-लेनिन पंथी' (वामपंथी विचारधारा) के प्रभाव को कमजोर करें और 'ममता पंथी' (ममता बनर्जी की विचारधारा) को अपनाएं। उन्होंने दावा किया कि केवल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विचारधारा ही 'मानवतावादी' है और इसी को आगे बढ़ाना आवश्यक है। शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि शिक्षकों को अपने-अपने कार्यस्थलों पर मानवतावाद को बढ़ावा देना चाहिए और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ कोई टिप्पणी करने से बचना चाहिए। बसु ने संगठन के सदस्यों को अधिक सक्रिय रहने और तृणमूल कांग्रेस के मूल्यों को शिक्षण संस्थानों में स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि दक्षिणपंथी और अति-वामपंथी ताकतें उच्च शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। इस संदर्भ में उन्होंने शिक्षकों से एकजुट होकर इन ताकतों का विरोध करने की अपील की।

एल्गी ने स्टेबलाइजर तकनीक का अनावरण किया

कोलकाता : एल्गी इक्विपमेंट्स ने अपनी नवीनतम कंप्रेस्ड एयर स्टेबलाइज़ेशन तकनीक लॉन्च की है, जो उन प्लांट्स के लिए डिज़ाइन की गई है जहां एयर की मांग लगातार बदलती रहती है। यह तकनीक अस्थिर कंप्रेसर प्रदर्शन, अक्षमता और बार-बार लोड/अनलोड साइकल के कारण होने वाले नुकसान को कम करने में मदद करती है। एल्गी इक्विपमेंट्स लिमिटेड के टेक्नोलॉजी डायरेक्टर, डॉ. वेणु माधव ने बताया कि स्टेबलाइजर सिस्टम सटीक रूप से प्रोग्रेसिव और ऑन-ऑफ वॉल्व्स का उपयोग करता है, जिससे सिस्टम के भीतर अतिरिक्त क्षमता को पुनः संचालित किया जा सकता है। यह तकनीक स्थिरीकरण ज़ोन और लो-प्रेशर रिकवरी सिस्टम के माध्यम से एयरफ्लो डिमांड को संतुलित करती है, ऊर्जा हानि को कम करती है और कंप्रेसर सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ाती है।

कमारहाटी नगर निगम ने अवैध निर्माण के खिलाफ की सख्त कार्रवाई

कोलकाता, समाज्ञा : कमारहाटी नगर निगम ने 1 से 7 नंबर वार्ड में 57 घरों को तोड़ने का आदेश दिया है। जब राज्य के कई नगर निगम और नगरपालिका अवैध निर्माण के मामले में सवालों के घेरे में हैं, तब कमारहाटी नगर निगम ने एक अभूतपूर्व कदम उठाया है। नगर निगम के प्रमुख ने कहा कि इन 57 घरों में से 17 घरों के मालिकों के खिलाफ पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। धोबिया बागान इलाके में एक बहुमंजिला इमारत को तोड़ने का कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर निगम के अध्यक्ष गोपाल साहा ने बताया कि इन घरों के मालिकों को लंबे समय से नोटिस दिए जा रहे थे। तीन बार लगातार नोटिस भेजे गए थे, लेकिन घर के मालिकों ने कभी भी इन नोटिसों का जवाब नहीं दिया। नगर निगम का कहना है कि ये घर अवैध तरीके से बनाए गए थे और इनका कोई नक्शा या अनुमति भी नगर निगम को नहीं दी गई थी। चूंकि इन घरों की स्थिति खतरनाक हो चुकी है, इसलिए इन्हें तोड़ने का आदेश दिया गया है।

हालांकि, इन 57 घरों को तोड़ने के आदेश के बावजूद, इस सूची में जयंत सिंह का घर शामिल नहीं है। कमारहाटी के नगर प्रमुख गोपाल साहा ने कहा, नोटिस भेजी गई है और जमीन के मालिक की तलाश की जा रही है। अभी तक मालिक का पता नहीं चल पाया है, इसलिए कानूनी कदम नहीं उठाए जा सके हैं। इस बीच, कमारहाटी नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि कौन से वार्ड में कितने घर तोड़े जाएंगे। 1 नंबर वार्ड में 26 घर, 2 नंबर वार्ड में 1 घर, 3 नंबर वार्ड में 7 घर, 4 नंबर वार्ड में 2 घर, 5 नंबर वार्ड में 3 घर, 6 नंबर वार्ड में 7 घर और 7 नंबर वार्ड में 11 घरों को तोड़ने का निर्णय लिया गया है।

आत्रेयी नदी का बांध टूटा, ममता पर बरसे सुकांत तो तृणमूल ने किया पलटवार

दक्षिण दिनाजपुर : जिले के बालुरघाट में आत्रेयी नदी का बांध मात्र दो साल में ही टूट गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। रविवार की रात बालुरघाट नगरपालिका के वार्ड 13 में यह घटना घटी। बांध के नजदीक बनी सीढ़ियां भी उलट गईं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। उनका आरोप है कि बांध निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि यह घटना पानी के अत्यधिक दबाव के कारण हुई है। रविवार की रात को ही सिंचाई विभाग के इंजीनियर और पुलिस मौके पर पहुंचे। नगरपालिका के चेयरमैन अशोक मित्रा भी घटनास्थल पर पहुंचे और देर रात तक हालात का जायजा लिया। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने पानी का दबाव कम करने के लिए रात में ही स्लूइस गेट खोल दिए। बता दें कि यह नदी बांध 2023 में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा उद्घाटित किया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों में इसकी हालत खस्ता हो गई, जिससे स्थानीय लोग आक्रोशित हैं।

इस घटना को लेकर सियासी घमासान भी तेज हो गया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सोमवार को ममता सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, पश्चिम बंगाल में विकास और आपदा समानार्थक बन गए हैं! दो साल पहले राज्य सरकार ने बालुरघाट में आत्रेयी नदी पर बांध बनाया था, लेकिन अचानक वह भी ढह गया। स्थानीय लोग बेहद डरे हुए हैं। यह मुख्यमंत्री की नाकामी है। उनके शासन में संस्थागत लूट चल रही है, लेकिन अगले साल बंगाल की जनता उनकी सरकार को उखाड़ फेंकेगी। इस पर, तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता जयप्रकाश मजूमदार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि वे बेवजह घबराएं नहीं।

'वाराही' द्वारा युवाओं की प्रतिस्पर्धा एवं काव्योत्सव का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : 'वाराही' द्वारा युवाओं के मध्य काव्य आवृत्ति व आशु वक्तव्य की प्रतिस्पर्धा तथा वरिष्ठ कलमकारों के मध्य विराट कवि सम्मेलन का आयोजन बड़ाबाजार लाइब्रेरी के विष्णुकांत शास्त्री सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ - आलोक चौधरी द्वारा गणेश वन्दना व स्वागता बसु द्वारा सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति एवं रामाकांत सिन्हा के स्वागत भाषण के साथ हुआ।

उसके बाद, वाराही संस्था की ओर से वाराही की संस्थापक एवं अध्यक्ष नीता अनामिका द्वारा डॉ. गिरिधर राय, नंदलाल रौशन, रणजीत भारती, प्रताप जायसवाल, खुर्शीद इकराम मन्ना, रामनाथ यादव बेखबर, रणविजय श्रीवास्तव को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन प्रतिस्पर्धाओं का परिणाम 22 फरवरी को भारतीय भाषा परिषद् में होने वाले वाराही के वार्षिक अधिवेशन में घोषित होगा, जहां बच्चों को देशभर से एकत्र होने वाले वरिष्ठ कलमकारों के हाथों पुरस्कृत किया जाएगा। इन स्पर्धाओं के पश्चात, दूसरे सत्र में डॉ. गिरिधर राय की अध्यक्षता एवं स्वागता बसु के संचालन में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। अंत में, संस्था की अध्यक्ष नीता अनामिका के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही यह अभूतपूर्व कार्यक्रम सुसंपन्न हुआ।

ईडी ने कॉनकास्ट ग्रुप के 210 करोड़ की संपत्ति की जब्त

कोलकाता, समाज्ञा : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गत 31 जनवरी को कॉनकास्ट ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजय कुमार सुरेका की 210.07 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त कर ली हैं। ये संपत्तियां राज्य के विभिन्न स्थानों पर फैली हुई हैं, जिनमें रिहायशी मकान, ऑफिस स्पेस, जमीन और कमर्शियल दुकानें शामिल हैं। यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। मामला कॉनकास्ट स्टील एण्ड पावर लि. और अन्य संबंधित कंपनियों से जुड़ा हुआ है। जांच में पाया गया कि कंपनी के जरिए अवैध रूप से बड़ी रकम का लेन-देन किया गया था। इस घोटाले में संजय कुमार सुरेका और उनकी कंपनियों का नाम सामने आया है। बता दें कि ईडी लंबे समय से कॉनकास्ट स्टील एण्ड पावर लि. के वित्तीय लेन-देन की जांच कर रहा था। जांच में सामने आया कि कंपनी ने बैंक लोन और अन्य फंड्स का दुरुपयोग किया। इन पैसों को अचल संपत्तियों में निवेश कर काले धन को सफेद करने का प्रयास किया गया। इस पर कार्रवाई करते हुए 210 करोड़ से अधिक की संपत्तियां जब्त कर ली गईं। कॉनकास्ट ग्रुप स्टील और पावर पर बीते कुछ सालों में इस पर भारी कर्ज और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। कई बैंक इससे जुड़े वित्तीय घोटालों की जांच कर रहे हैं। अब ईडी ने भी इस कंपनी पर शिकंजा कस दिया है।

विधाननगर-साल्टलेक क्षेत्र में अवैध रूप से लगे होर्डिंग्स बनी गंभीर समस्या, हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

कोलकाता, समाज्ञा : विधाननगर-साल्टलेक क्षेत्र में अवैध रूप से लगे होर्डिंग्स गंभीर समस्या बन गए हैं। प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, विधाननगर-साल्टलेक क्षेत्र में 135 होर्डिंग्स होने चाहिए थे। लेकिन वर्तमान में यह संख्या लगभग ढाई हजार को पार कर गई है, जिसके परिणामस्वरूप सामान्य लोगों को सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर पहले ही कोलकाता हाईकोर्ट में एक मुकदमा दायर किया गया था। इसी मामले में सोमवार को कोलकाता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की डिवीजन बेंच ने बड़ा आदेश दिया। अदालत ने मामले के याचिकाकर्ता और विज्ञापन कंपनियों के साथ एक सप्ताह के अंदर बैठक कर आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। बैठक में क्या चर्चा हुई, इसका विस्तृत विवरण अदालत में जमा करना होगा। विधाननगर में अवैध होर्डिंग्स लगे हुए हैं। इस मामले में पहले भी कोलकाता हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। उस याचिका में पिछले साल नवंबर में अदालत ने सभी अवैध होर्डिंग्स को हटाने का आदेश दिया था। आरोप है कि अदालत के आदेश के बावजूद अधिकांश अवैध होर्डिंग्स नहीं हटाए गए हैं। इस पर पहले भी विधाननगर नगर निगम को अदालत की कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ा था। नाराज जज ने कहा, ऐसा लगता है कि जानबूझकर अवैध होर्डिंग्स हटाने के लिए नगर निगम ने कोई कदम नहीं उठाया। केवल दो एजेंसियों ने नगर निगम को कर देकर होर्डिंग्स लगाए। बाकी सौ से अधिक मामलों में नगर निगम को कोई कर नहीं दिया गया।

बांगुर सीमेंट ने लॉन्च किया नया प्रीमियम प्रोडक्ट 'बांगुर मार्बल'

कोलकाता : भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माता श्री सीमेंट ने अपने मास्टब्रांड बांगुर सीमेंट के तहत बांगुर मार्बल लॉन्च किया है। यह पीएससी सीमेंट सेगमेंट में उच्च चमक, बेहतरीन मजबूती और दरारों से सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे यह कॉन्क्रीट की खुली सतहों के लिए परफेक्ट है। झारखंड और बिहार के बाद, इसे कोलकाता, पश्चिम बंगाल में लॉन्च किया गया। यह 2000 से अधिक रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा, जहां प्रोडक्ट डेमो के जरिए इसकी खूबियों को दिखाया जाएगा। श्री सीमेंट लिमिटेड के एमडी नीरज अखौरी ने कहा कि यह उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें पर्यावरण के अनुकूल जीजीबीएस तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे मजबूत और टिकाऊ संरचनाओं का निर्माण संभव होगा। इस लॉन्च के साथ श्री सीमेंट निर्माण क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है।

ब्रेथवेट के सीएमडी मो. असद आलम ने भारतीय फाउंड्री कांग्रेस में कास्टिंग्स की गुणवत्ता पर दिया जोर

कोलकाता, समाज्ञा : रेल मंत्रालय के अधीन ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड (बीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मो. असद आलम ने 73वीं भारतीय फाउंड्री कांग्रेस में वैगन स्टॉक्स के लिए कास्टिंग्स की गुणवत्ता पर एक महत्वपूर्ण भाषण दिया। इस आयोजन का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंड्रीमेन (आईआईएफ) द्वारा किया गया। मो. आलम ने भारतीय फाउंड्री उद्योग के प्रमुख नेतृत्वकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे नेटवर्क की मजबूती और विश्वसनीयता के लिए कास्टिंग्स बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे हर साल 1.6 अरब टन से अधिक माल परिवहन करता है, जिससे कास्टिंग्स की गुणवत्ता की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। मो. आलम ने कास्टिंग प्रक्रियाओं में नवीनतम नवाचारों जैसे नो-बेक और हाई-प्रेशर मोल्डिंग तकनीकों का भी उल्लेख किया और इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता करार दिया।

सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने गैलरी गोल्ड के सहयोग से 'स्ट्रोक्स एंड स्ट्राइक्स' पेंटिंग प्रदर्शनी का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के प्रतिष्ठित कला केंद्र गैलरी गोल्ड ने अपनी 'स्ट्रोक्स एंड स्ट्राइक्स' पेंटिंग, मूर्तिकला और ग्राफिक्स प्रिंटमेकिंग प्रदर्शनी का 9वां संस्करण पेश किया। जिसमें उभरते कलाकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कला रूपों को प्रदर्शित किया गया। यह गैलरी न केवल एक कला गैलरी है, बल्कि एक कला केंद्र भी है, जो भारत और विदेश के विभिन्न कलाकारों की कला को प्रदर्शित करता है। इस प्रदर्शनी का आयोजन 10 से 16 फरवरी तक, प्रतिदिन शाम 3 बजे से 8 बजे तक, कोलकाता के 11, अब्दुल रसूल एवेन्यू स्थित गैलरी गोल्ड में किया गया है। जिसमें बंगाल के महान कलाकारों जैसे-जोगेन चौधरी, स्व. गणेश पाइन, समीर आइच, बंग विभूषण शुभप्रसन्न, शिप्रा भट्टाचार्य, स्व. प्रकाश कर्मकार और सुब्रत गांगोपाध्याय की पेंटिंग्स के साथ-साथ उभरते कलाकारों के काम भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

गैलरी गोल्ड की संरक्षक रंजना सेन ने कहा, यह मंच केवल पारंपरिक और सार्थक कलाकारों के लिए नहीं है, बल्कि शारीरिक रूप से विकलांग कलाकारों के लिए भी है। इस वर्ष लगभग 160 पेंटिंग्स विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रदर्शित की जा रही हैं। गैलरी गोल्ड की संरक्षक जोइता सेन ने कहा, यह प्रदर्शनी उभरते कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए है और इस बार प्रदर्शनी में 65 कलाकार, मूर्तिकार और प्रिंटमेकर्स शामिल हैं। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स हमेशा कला और संस्कृति को प्रस्तुत करने और मानव रचनात्मकता और क्षमता को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। गैलरी गोल्ड के संरक्षक सुवांकर सेन ने कहा, गैलरी गोल्ड सभी कला प्रेमियों के लिए एक स्थान है और ये आयोजनों का उद्देश्य दर्शकों, समान विचारधारा वाले विचारकों और गैलरी के बीच एक इंटरफेस बनाना है।

बर्जर पेंट्स ने अपनी शताब्दी का मनाया जश्न, कोलकाता में नए मुख्यालय का उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : भारत की दूसरी सबसे बड़ी पेंट्स और कोटिंग्स कंपनी, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड ने भारत में अपनी 100 साल की यात्रा का जश्न मनाते हुए अपने मुख्यालय को कोलकाता के न्यू टाउन में स्थानांतरित किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार की कैबिनेट मंत्री डॉ. शशि पांजा और बर्जर पेंट्स के वरिष्ठ प्रबंधन ने मुख्यालय का उद्घाटन किया। यह नया आठ-मंजिला भवन पेंट कैन से प्रेरित है और लगभग 1,90,000 वर्ग फीट क्षेत्र में फैला हुआ है।

बर्जर पेंट्स के एमडी और सीईओ अभिजीत रॉय ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 20 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करना है। कंपनी ने 1923 में हुगली में एक छोटे से संयंत्र से शुरुआत की थी और अब वह बंगाल में दूसरे सबसे बड़े बाजार भागीदार के रूप में उभरी है। नया मुख्यालय रंगों और रचनात्मकता का प्रतीक है, जिसमें हर मंजिल विबग्योर रंगों से प्रेरित है। यह भवन सौर ऊर्जा द्वारा संचालित और एलईईडी प्रमाणित प्लैटिनम ग्रीन बिल्डिंग है। बर्जर पेंट्स की बढ़ती सफलता का उदाहरण है कि कंपनी ने 100 वर्षों में 6366 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 11,199 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है।

शीतला माता स्नान यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सख्त, प्रतिबंध लागू

कोलकाता, समाज्ञा : मध्यामिक परीक्षा को ध्यान में रखते हुए आज यानी 11 फरवरी को आयोजित होने वाली शीतला माता स्नान यात्रा परीक्षा समाप्त होने के बाद शुरू होगी। शीतला माता स्नान यात्रा के दौरान निम्नलिखित मुख्य मार्ग पर यात्रा होंगी। जिसमें ऑरोबिंदो रोड - सल्किया चौरास्ता - दाहिना मोड़ जी.टी. रोड - बाबू डांगा - दाहिना मोड़ श्रीराम ढांग रोड - दाहिना मोड़ जे.एन. मुखर्जी रोड - बांधा घाट क्रॉसिंग - सल्किया स्कूल रोड - उपेंद्रनाथ मित्रा लेन - मुर्गीहाटा क्रॉसिंग - कालीतला क्रॉसिंग - बाएं मोड़ खेतरा मित्रा लेन - सम्मिलनी पार्क - दाहिना मोड़ जी.टी. रोड - साल्किया चौरास्ता - ऑरोबिंदो रोड - बांधा घाट शामिल है। इसके साथ ही, यात्रा के दौरान ट्रैफिक पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। ट्रैफिक प्रतिबंध सुबह 11 बजे से लागू हो जाएंगी (मालवाहन वाहनों को छोड़कर)। हालांकि, 11 बजे के बाद भी उन वाहनों पर ट्रैफिक प्रतिबंध लागू नहीं होगा जो मध्यामिक या अन्य किसी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को लेकर आ रहे हैं। मालवाहन वाहनों की आवाजाही आज सुबह 2:30 बजे से यात्रा के लिए प्रतिबंधित रहेगी। इसके अलावा, कुछ ई-रिक्शा भी परीक्षा केंद्रों और अन्य महत्वपूर्ण क्रॉसिंग्स के पास तैनात किए जाएंगे, ताकि छात्रों को परीक्षा केंद्रों तक और परीक्षा समाप्त होने के बाद उनके घरों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिल सके।

मेयर के घर के सामने से पकड़ा गया संदिग्ध युवक, बांग्लादेशी होने की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता नगर निगम के मेयर फिरहाद हकीम के घर के सामने सोमवार की सुबह एक युवक संदिग्ध तरीके से घूमता नजर आया। इस युवक की हरकतों को देख संदेह होने पर नगर निगम के सुरक्षा गार्डों ने उसे पकड़ लिया। मिली जानकारी के अनुसार युवक का नाम रफीकुल था, जो पासपोर्ट में दर्ज था, लेकिन उसके आधार कार्ड और वोटर कार्ड पर नाम शफीकुल विश्वास था। यह असंगति देखकर गार्डों का शक और गहरा हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यूमार्केट थाना ले जाया गया। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह युवक बांग्लादेश का नागरिक है और किसी विशेष उद्देश्य से मेयर के घर के सामने पहुंचा था, लेकिन इसका वास्तविक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने गिरफ्तार युवक से पूछताछ शुरू कर दी है ताकि इस रहस्यमय घटना का खुलासा किया जा सके।

डॉ माता शंकर पांडेय की पुस्तक देवार्चन मंजरी का लोकार्पण

कोलकाता, समाज्ञा : ज्योतिषाचार्य डॉ माता शंकर पांडेय की पुस्तक देवार्चन मंजरी का लोकार्पण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के कर कमलों से संपन्न हुआ। पुस्तक में सनातन हिन्दू धर्म शास्त्रों में वर्णित नित्य पूजन-अर्चन से संबंधित श्लोकों और विधियों का संकलन किया गया है। मोहन भागवत ने पुस्तक के विषय में कहा कि विद्वानों का कर्तव्य है कि सनातन हिन्दू धर्म में आस्था रखने वालों का समुचित मार्गदर्शन अपनी लेखनी के माध्यम से करें। ज्योतिषाचार्य पांडेय ने कहा कि वे हर साल निर्णय मंजरी पंचांग का प्रकाशन विगत तीन दशकों से कर रहे हैं जिसमें सामयिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं एवं व्यक्तित्वों को लेकर की गई टिप्पणी महत्वपूर्ण होती है। अभी तक उनकी टिप्पणियां सच होती रही हैं। इस पुस्तक पर प्रधानमंत्री तक के संदेश आते हैं। देवार्चन मंजरी आस्थावान सनातन हिन्दुओं को दैनंदिन जीवन में धर्माचरण के लिए प्रेरित करेगा, इसी उद्देश्य से इसका संकलन किया गया है।

पुत्री जन्मी तो ससुराल वालों से मांगे 5 लाख रूपये, न मिलने पर गृहवधू पर अत्याचार का आरोप

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्त कानून हैं, फिर भी अत्याचार जारी है। उत्तर 24 परगना के बांसद्रनी, 30 फुट रनिया में एक महिला को पुत्री जन्म देने पर ससुराल पक्ष ने 5 लाख की मांग की, न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

आरती कुमारी की शादी राकेश साव से 3 मई 2023 को हुई थी। शादी में भोला साव (ससुर) ने 25 लाख की मांग की थी, जिसमें लड़कीवालों ने किसी तरह 20 लाख दिए। 26 जनवरी 2024 को आरती ने एक बच्ची को जन्म दिया, जिसका पूरा खर्च मायके वालों ने उठाया। जब ससुराल लौटने की बात आई, तो 5 लाख और मांगे गए।

जब आरती अपने भाई के साथ ससुराल पहुंची, तो उसे प्रताड़ित किया गया। राकेश साव ने उस पर फावड़ा चलाया, गला दबाने की कोशिश की, और बच्ची की तबीयत खराब होने पर डॉक्टर तक नहीं दिखाया।

6 फरवरी 2025 को सास-ससुर और घरवालों ने आरती और उसकी बच्ची को घर से बाहर निकाल दिया, जिसके बाद ठंड में पूरी रात बाहर बितानी पड़ी। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पर सब-इंस्पेक्टर एस.के. आलम ने डिवोर्स लेने की सलाह दी, जिससे न्याय मिलने पर सवाल उठता है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन आरती और उसकी बच्ची की जान को खतरा बना हुआ है।

महा कुंभ 2025: तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रहा भारतीय रेलवे

❑ प्रयागराज क्षेत्र के आठ रेलवे स्टेशनों सहित प्रयागराज जंक्शन पूरी तरह संचालित, रविवार को 330 और आज दोपहर 3 बजे तक 201 ट्रेनें चलाई गईं

❑ रेल मंत्री और चेयरमैन रेलवे बोर्ड ने 12 जनवरी 2025 को होने वाले अगले अमृत स्नान से पहले रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली/कोलकाता : महा कुंभ 2025 के दौरान तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए भारतीय रेलवे युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। मीडिया में आई गलत खबरों का खंडन करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रविवार को प्रयागराज क्षेत्र के आठ स्टेशनों से 330 ट्रेनों के माध्यम से 12.50 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद रेलवे ने प्रत्येक स्टेशन से औसतन हर 4 मिनट में एक ट्रेन चलाई, जिससे श्रद्धालुओं को अपने स्नान के बाद अधिक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

अगले अमृत स्नान से पहले रेलवे का विशेष ध्यान तीर्थयात्रियों को सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा देने पर है। एक ट्रेन में औसतन 3780 यात्रियों के सफर करने से स्पष्ट है कि भीड़ कम नहीं हो रही है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ सतीश कुमार ने ज़ोनल और डिविजनल अधिकारियों के साथ बैठक कर मीडिया को रेलवे की इस विशाल सेवा की जानकारी देने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी, सुबेदारगंज, प्रयाग, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग और झूंसी स्टेशन पूरी तरह संचालित हैं, जहां से विशेष और नियमित ट्रेनें पूरी क्षमता से चलाई जा रही हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रयागराज संगम स्टेशन को किसी भी अमृत स्नान से दो दिन पहले और दो दिन बाद बंद करना एक सामान्य प्रक्रिया है, जो प्रयागराज जिला प्रशासन की सिफारिश पर पहले भी लागू की गई थी। रेलवे इस बार भी उसी नीति का पालन कर रहा है।

सतीश कुमार ने रेल भवन के वॉर रूम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सीसीटीवी फुटेज के जरिए रेलवे की सुचारू सेवाओं की जानकारी दी। रेल मंत्री सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की और रेलवे की सुचारू व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मीडिया को रेलवे की व्यवस्थाओं की सटीक रिपोर्टिंग करनी चाहिए और यात्रियों से भी अपील की कि वे रेलवे के आधिकारिक स्रोतों से जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि रेलवे का समर्पण इस बात से साबित होता है कि रविवार को 330 ट्रेनें चलाई गईं, जो पिछले मौनी अमावस्या स्नान के दौरान चलाई गईं 360 ट्रेनों के लगभग बराबर है।

कुंभ मेले के लिए रेलवे व्यवस्थाओं के बारे में पूर्व रेलवे, मेट्रो रेलवे और सियालदह डिवीजन ने दी जानकारी

कोलकाता : पूर्व रेलवे मुख्यालय द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व रेलवे, मेट्रो रेलवे और पूर्व रेलवे के सियालदह डिवीजन के जनसंपर्क अधिकारी ने मीडिया को भारतीय रेलवे द्वारा कुंभ मेला तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशेष ट्रेनों के संचालन से लेकर यात्री सुविधाओं और अन्य सुविधाओं तक की विस्तृत व्यवस्था पर चर्चा की गई। पूर्व रेलवे ने कुंभ मेले के तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए 47 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इनमें से 11 जोड़ी ट्रेनें मालदह टाउन और प्रयागराज के बीच चलाई जा रही हैं, जबकि 27 जोड़ी ट्रेनें हावड़ा और तुंडला के बीच, 4 जोड़ी ट्रेनें हावड़ा और भिंड के बीच और 5 जोड़ी ट्रेनें भागलपुर और कानपुर सेंट्रल के बीच संचालित की जा रही हैं।

प्रयागराज क्षेत्र से कुंभ मेला विशेष और नियमित ट्रेनों का संचालन

प्रयागराज क्षेत्र के आठ रेलवे स्टेशनों – प्रयागराज जंक्शन, प्रयाग, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, झूसी, सुबेदारगंज, नैनी और प्रयागराज छिवकी से 10 फरवरी को दोपहर 3 बजे तक, 191 ट्रेनों का संचालन किया गया, जिससे लगभग 8.18 लाख (818,000) श्रद्धालुओं की यात्रा सुनिश्चित हुई। प्रयागराज क्षेत्र के सभी आठ स्टेशनों से नियमित और विशेष ट्रेनों का ऐसा बड़े पैमाने पर संचालन रेलवे अधिकारियों की अच्छी योजना और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित किया जा रहा है। पूरे मेला अवधि के दौरान रेलवे ने लगभग 13,450 ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है, जिसमें 10,028 नियमित ट्रेनें और 3,400 से अधिक विशेष ट्रेनें शामिल हैं। महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी वार रूम से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, जबकि डिवीजनल रेलवे मैनेजर हिमांशु बदोनी नियंत्रण कक्ष से ट्रेनों के संचालन की देखरेख कर रहे हैं, ताकि ट्रेन सेवाओं का सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

माध्यमिक परीक्षार्थियों का हौसला बढ़ाने के पुलिस कमिश्नर ने छात्रों को भेट किया लाल गुलाब

हुगली, समाज्ञा : 10 फरवरी से पूरे पश्चिम बंगाल में माध्यमिक परीक्षा शुरू हुई। इस दिन प्रथम भाषा हिंदी , बांग्ला की परीक्षा हुई। हालांकि परीक्षा के दौरान किसी तरह की कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आयी। चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के तरफ से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गए थे। चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के अति सक्रिय पुलिस आयुक्त अमित पी जवालागी की भूमिका अपराध पर नियंत्रण पाने में जितनी सक्रिय रहती है उतनी ही वह हरेक कर्म क्षेत्र का पालन कर्तव्यनिष्ठा के साथ करते हैं। सोमवार को पुलिस आयुक्त अमित पी. जवालगी ने चाकुंड़ी हाई स्कूल माध्यमिक परीक्षा केंद्र का दौरा किया। चंदननगर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के छात्रों को प्रोत्साहित कर उन्हें गुलाब का लाल फूल भेंट दिया। इसके साथ ही परीक्षार्थियों के अभिभावकों से बातचीत की और किसी भी तरह की असुविधा होने पर चंदननगर पुलिस को फोन करने को कहा। उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों और कर्मियों को परीक्षा केंद्र की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के बारे में जानकारी ली। छात्रों को गुलाब के फूल भेंट कर उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। छात्रों का उत्साहवर्द्धन किया।

निजी इंश्योरेंस कंपनी के कर्मचारी लापता, थाने में शिकायत

हुगली, समाज्ञा : पिछले शनिवार शाम को अपनी मां से यह कहकर निकले कि घूमने जा रहे हैं, लेकिन उसके बाद अमिताभ शील घर नहीं लौटे। चुंचुड़ा के शुड़ीपाड़ा झाकिमाझी लेन में रहने वाले 45 वर्षीय अमिताभ शील एक निजी इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत हैं। सोमवार को उनकी पत्नी श्रेया शील ने चुंचुड़ा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। श्रेया ने बताया कि वीकेंड पर अमिताभ कभी अकेले तो कभी दोस्तों के साथ घूमने जाते थे। शनिवार को भी उन्होंने कहा था कि वे बाहर जा रहे हैं। लेकिन शाम से ही उनका फोन स्विच ऑफ था और तब से कोई संपर्क नहीं हो पाया। पहले लगा कि किसी काम या घूमने के दौरान वे फोन बंद रखते होंगे, लेकिन आमतौर पर वे खुद ही बाद में घर फोन कर लेते थे। अब तीन दिन हो गए, लेकिन उनकी कोई खबर नहीं मिली। उनके दोस्तों से भी कोई संपर्क नहीं हुआ और वे अपने कार्यालय, जो पूर्व बर्दवान में स्थित है, वहां भी नहीं गए। ऐसे में वे समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर अमिताभ गए कहां। अमिताभ के भाई ने बताया कि घर में किसी से कोई विवाद नहीं था, पत्नी से भी कोई अनबन नहीं हुई थी। फिर ऐसा क्या हुआ? हमें लगा कि वे खुद लौट आएंगे, इसलिए दो दिन इंतजार किया। अब पुलिस को जानकारी दी है ताकि उनके मोबाइल फोन की लोकेशन से कुछ पता चल सके। साथ ही, हमने साइबर थाना में भी सूचना देने का फैसला किया है।

हावड़ा पुलिस ने छापेमारी में भारी मात्रा में अवैध शराब की बड़ी खेप की बरामद

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के लिलुआ थाना क्षेत्र में अवैध शराब की बरामदगी को लेकर मामला सामने आया है। हावड़ा पुलिस की डीडी विभाग एच-पीसी की दो टीमों ने 9 फरवरी की शाम को कोलकाता के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करते हुए अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त की। पहली छापेमारी चंदन पासवान के घर पर की गई, जो चॉक पाड़ा, मनसा पल्ली, भागड़ में स्थित है। यहां से एक गिरफ्तार व्यक्ति, राजेश पासवान के कब्जे से विदेशी और देसी मिलाकर कुल 388 बोतल शराब बरामद की गई। वहीं, दूसरी छापेमारी संजय देबनाथ उर्फ टोनी के घर पर की गई, जो नतून पल्ली, भागड़ में स्थित है। यहां से भी 280 विदेशी और देसी बोतल शराब की जब्त की गई। लिलुआ पुलिस थाने में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिसमें अवैध रूप से शराब खरीदने, संग्रहीत करने और बेचने के आरोप में कार्रवाई की गई है।

मानसिक तनाव के कारण माध्यमिक के छात्र ने की आत्महत्या

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के श्यामपुर में सोमवार की सुबह माध्यमिक परीक्षार्थी का लटकता हुआ शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान अर्नव बैरागी (17) के रूप में की गई थी। यह घटना श्यामपुर के बाछड़ी गांव पंचायत क्षेत्र में हुई। मिली जानकारी के अनुसार, श्यामपुर के नाकोल हाई स्कूल से अर्नव की परीक्षा की सीट थी। वह रविवार रात को खाने के बाद अर्नव अपने कमरे में सो गया। सोमवार सुबह जब बहुत देर तक अपने कमरे से बाहर नहीं निकला। तब परिवार वाले उसके कमरे में गए जहां उन्होंने अर्नव का फंदे से लटकते हुए शव देखा। खबर मिलते ही श्यामपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अनुमान लगाया जा रहा है कि मानसिक तनाव के कारण छात्र ने आत्महत्या की होगी। इस घटना के बाद से ही इलाके में शोक का माहौल है।

बोलपुर में बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग, दो की मौत व पांच गंभीर

बीरभूम : जिले के बोलपुर में एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। इस आगजनी में झुलसकर दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, घटना में कम से कम पांच लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान स्वपन नंदी (68) और अंजू नंदी (62) के रूप में की गई है। घायलों को इलाज के लिए अस्प-ताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार की रात करीब 8.30 बजे बोलपुर के बांधगोड़ा स्थित सांझबाती नामक आवास की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। एक क्षण में ही इमारत आग की लपटों में घिर गई। आग में दो लोगों की जान चली गई, जबकि घटना में कम से कम 5 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थिति को नियंत्रित किया गया। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि आग एसी में विस्फोट के कारण लगी। आवास के नीचे खड़ी एक स्कूटी भी आग की चपेट में आ गई। स्थिति को संभालने के लिए बीरभूम जिला पुलिस के अतिरिक्त अधीक्षक (बोलपुर) राणा मुखर्जी और एसडीपीओ बोलपुर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल और लड़ाकू बल तैनात किया गया है। बोलपुर अग्निशमन विभाग के ओसी सौरभ मंडल के नेतृत्व में अग्निशमन कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। घटना के कारण श्रीनिकेतन रोड लगभग अवरुद्ध हो गया है। अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक (बोलपुर) राणा मुखर्जी ने कहा कि खबर मिलने पर पुलिस और अग्निशमन विभाग ने 60 लोगों को बचाया। उनमें से पांच की स्थिति आशंकाजनक हैं। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। हम जांच कर रहे हैं। फ्लैट को सील कर दिया जाएगा।

नगर निगम बसों की अनियंत्रित गति पर अंकुश लगाने के लिए 12 रूटों पर शुरू करेगी ऐप

केएमसी मुख्यालय में मेयर ने परिवहन मंत्री समेत अन्य अधिकारियों के साथ की बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार और परिवहन विभाग ने सार्वजनिक परिवहन की अनियंत्रित गति पर अंकुश लगाने के लिए लगभग दो महीने पहले विभिन्न योजनाओं की घोषणा की थी। इस बीच, सोमवार को मेयर फिरहाद हकीम ने परिवहन मंत्री, सचिव, डीजी, एडीजी ट्रैफिक और कोलकाता पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। उस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कुल 12 मार्गों पर लापरवाह बस चालकों की बढ़ती संख्या को कम करने के लिए एक ऐप शुरू किया जाएगा। जिसमें हावड़ा, बिधाननगर और कोलकाता रूट भी शामिल हैं। इस दिन, फिरहाद हकीम ने कहा कि एस ऐप से यह पता चल जाएगा कि बस रैश ड्राइविंग कर रही है या नहीं। इसके अलावा, बस स्टैंड पर यह भी प्रदर्शित होगा कि कौन सी बस कहां और कब जाएगी। इस ऐप को कोलकाता नगर निगम के आईटी विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा है। कोलकाता नगर निगम बस स्टैंड को सुंदर बनाने का काम करेगी। मेयर ने यह भी कहा कि 12 रूटों पर बस चालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस ऐप को बनाने का काम एक-दो महीने में शुरू हो जाएगा। बसों को जीपीएस से जोड़ा जाएगा, जिससे चालकों पर नियंत्रण रहेगा। बस स्टैंड का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इससे यात्रियों को बारिश के मौसम या धूप में स्टैंड पर खड़े होने में सुविधा होगी। वहीं, परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने कहा कि सेफ ड्राइव सेव लाइफ कार्यक्रम के कारण कई दुर्घटनाएं कम हुई हैं। अब तक दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर हम एक ऐप विकसित करेंगे। इससे ड्राइवरों की गति को नियंत्रित करना संभव होगा। मंत्री के अनुसार, यदि चालक इस नियम का पालन नहीं करता है तो परिवहन विभाग उसे दो-तीन बार चेतावनी देने के बाद लाइसेंस रद्द कर देगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह सब ट्रायल बेसिस पर शुरू किया जाएगा। इस ऐप पर बसों की संख्या, वे कहां हैं, वे कब पहुंचेंगी आदि की स्पष्ट जानकारी होगी। स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने यह भी कहा कि इनमें से अधिकांश हवाईअड्डा-केंद्रित होंगे।

अशोकनगर में परीक्षा देने जाते समय सड़क दुर्घटना में घायल हुईं दो छात्राएं, अस्पताल से दी परीक्षा

कोलकाता, समाज्ञा : माध्यमिक परीक्षा के पहले दिन ही परीक्षा देने जाते समय दो छात्राएं सड़क दुर्घटना की शिकार हो गईं। घटना सोमवार की सुबह उत्तर 24 परगना जिला अंतर्गत अशोकनगर थाना के जंगलपुर इलाके की है। दोनों घायल परीक्षार्थी गुमा नजरूल गर्ल्स स्कूल की छात्राएं हैं। प्रारंभिक उपचार के बाद प्रशासन ने अस्पताल में ही उनके लिए परीक्षा देने की व्यवस्था की है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दोनों छात्राएं बाइक से परीक्षा देने राजीबपुर हाई स्कूल जा रही थीं। जंगलपुर काठमिल इलाके में उनकी बाइक विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक से टकरा गई। जिससे दोनों छात्राएं घायल हो गईं। साथ ही, बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग उन्हें

अशोकनगर सबदलपुर ग्रामीण अस्पताल ले गए जहां बाइक सवार की हालत बिगड़ने पर बारासात अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की खबर पाकर अशोकनगर थाने की पुलिस अस्पताल पहुंची। प्रारंभिक उपचार के बाद, दोनों अभ्यर्थियों के लिए अस्पताल में ही परीक्षा की व्यवस्था की गई।

व्यवसायी की हत्या के मामले में सुबूतों के अभाव में सभी आरोपित बरी

मोगरा में व्यवसायी की गोली मारकर कर दी गई थी हत्या

हुगली, समाज्ञा

हुगली की चुंचुड़ा अदालत ने सोमवार को एक व्यवसायी की हत्या के मामले में सुबूतों के अभाव में सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया है। हुगली के मोगरा में व्यवसायी अख्तर अली खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आठ साल तक मामला चलने के बाद बचाव पक्ष के वकील मृण्मय मजूमदार ने कहा कि अदालत ने उचित सुबूतों के अभाव में हत्या के मामले में सभी सातों आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि 16 अप्रैल, 2016 को सुबह 7 बजे ईश्वर गुप्ता ब्रिज के पास बोरापाड़ा चौराहे पर बदमाशों ने स्थानीय व्यवसायी अख्तर अली खान की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के बड़े बेटे बाबू अली खान ने मोगरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। घटना की जांच के बाद पुलिस ने कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके नाम लक्ष्मण चौधरी, विजय राम, विकास पासवान, इकलाक अंसारी, अजय मोहली, अमित राम और अकबर अली हैं। मामले के जांच अधिकारी अमिताभ घोष थे। गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 120बी, 34 और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। तदनुसार, पुलिस ने आरोपपत्र दायर किया। मामले की सुनवाई जारी रहने के कारण विजय, विकास और इकलाक अंसारी को जमानत दे दी गई। शेष चार लोग जेल में बंद हैं। संबंधित मामले की सुनवाई में अदालत ने कुल 25 लोगों की गवाही सुनी। मामले की सुनवाई हुगली प्रथम जिला न्यायालय के न्यायाधीश संजय शर्मा की अदालत में शुरू हुई। सोमवार को अदालत ने सभी सात आरोपितों को बरी कर दिया।

निःशुल्क भोजन सेवा के आयोजन में अपना सहयोग देने वाले कर्मियों का सम्मान

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा सदर सेवा ट्रस्ट और समाज्ञा हिंदी दैनिक के सौजन्य से पिछले 10 साल से प्रतिदिन हावड़ा स्टेशन के आसपास फुटपाथ पर रहने वाले वृद्ध और लाचार लोगों के निःशुल्क भोजन के आयोजन में स्वेच्छा से अपना सहयोग देने वाले कर्मियों को अंगवस्त्र और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सूरज सिंह, चंदन साहू, छाया पोद्दार और अल्पना सील का अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर उनके निस्वार्थ सेवा भाव को सर्वोपरि रखते हुए सम्मानित किया गया। इनकी टीम विगत 10 साल से होने वाले भोज के आयोजन में अपना श्रमदान करते आ रहे हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन 16 चिंतामणि दे रोड में हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश ठाकुर ने किया। सभा का संचालन रामावतार साव ने किया। स्वागत संबोधन अनिल कुमार राय ने दिया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजेंद्र प्रसाद राय ने दिया और इस दरिद्रनारायण भोज को हर जरूरतमंद तक पहुंचाने का आग्रह किया। इस अभियान के सहयोगी अमित राय, अविनाश कुमार सिंह, पप्पू कुमार सिंह, विष्णु साव, ओम अग्रहरि, आशुतोष अग्रहरि, मिलन अग्रहरि एवं रोहित कुमार भी उपस्थित रहे।

आरआर काबेल बना कोलकाता नाइट राइडर्स का मुख्य भागीदार

कोलकाता : आरआर काबेल, भारत की अग्रणी वायर्स और कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स कंपनी, ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य भागीदार के रूप में एक बहु-वर्षीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी विशेष रूप से पूर्वी भारत में ब्रांड उपस्थिति को मजबूत करने के लिए की गई है। आरआर काबेल की ब्रांडिंग सीजन के दौरान केकेआर टीम किट के 'राइट चेस्ट' पर प्रदर्शित होगी। यह सहयोग ब्रांड को व्यापक दर्शकों तक पहुंचने और जुड़ाव बढ़ाने का अवसर देगा। आरआर ग्लोबल की निदेशक कीर्ति काबरा ने कहा, क्रिकेट लोगों को जोड़ता है, और केकेआर की लच-ीलापन व उत्कृष्टता की खोज हमारे मूल्यों से मेल खाती है। यह साझेदारी केवल दृश्यता के लिए नहीं, बल्कि उस ऊर्जा का हिस्सा बनने के लिए है जो पूरे देश को एकजुट करती है।

दृष्टिहीन भिक्षुक की बेटी, सहारा बने पुलिस कॉन्स्टेबल

हुगली, समाज्ञा : माध्यमिक परीक्षा छात्रों के जीवन का सबसे बड़ा और पहला पड़ाव होता है जिसके जरिये उज्ज्वल भविष्य तय होता है। माध्यमिक परीक्षा को लेकर परीक्षार्थियों में कई तरह के सवाल संसय व भय बना रहता है। ऐसा ही महसूस कर रही थी स्नेहा हल्दर। चुंचुड़ा चकबाजार की रहने वाली स्नेहा हुगली गर्ल्स स्कूल की छात्रा है। अब तक वह अपने घर के पास के स्कूल में पढ़ाई कर रही थी, लेकिन इस बार उसकी माध्यमिक परीक्षा का केंद्र शिक्षा मंदिर स्कूल में पड़ा, जो घर से काफी दूर है। परीक्षा केंद्र तक कैसे पहुंचेगी? यही चिंता उसे और उसके माता-पिता को सता रही थी। स्नेहा के माता-पिता शिवानी और मृत्युंजय हालदार दोनों ही दृष्टिहीन हैं। वे ट्रेन में भिक्षाटन करके जीवन यापन करते हैं। घर के बाहर कहीं भी जाने के लिए उन्हें अपनी बेटी की मदद लेनी पड़ती है। ऐसे में स्नेहा की परीक्षा के दिन क्या होगा? परीक्षा केंद्र तक कैसे पहुंचेगी? यह सोचकर माता-पिता परेशान थे। इस कठिन समय में चंदननगर पुलिस के कांस्टेबल सुकुमार उपाध्याय मदद के लिए आगे आए। सुकुमार लंबे समय से दृष्टिहीन लोगों की सहायता करते आ रहे हैं और इसी वजह से स्नेहा के माता-पिता से परिचित हैं। जब सुकुमार को स्नेहा की समस्या पता चली, तो उन्होंने परीक्षा देने के लिए उपयोग में लिए जाने वाला सामान खरीद दिया। परीक्षा से पहले ही उसे बाइक पर स्कूल दिखाने भी ले गए ताकि परीक्षा के दिन कोई परेशानी न हो। उन्होंने स्नेहा को जरूरत पड़ने पर खुद जाने के लिए कुछ पैसे भी दिए। हालांकि पुलिस की नौकरी में छुट्टी मिलना आसान नहीं होता। कभी भी कहीं ड्यूटी पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सुकुमार इस बात को लेकर चिंतित थे कि कहीं परीक्षा के दिन उनकी कोई ड्यूटी न लग जाए, जिससे वे स्नेहा को छोड़ने न जा सकें। सौभाग्य से पहले दिन सुकुमार की कोई जरूरी ड्यूटी नहीं लगी। उन्होंने सुबह-सुबह स्नेहा को अपनी बाइक पर परीक्षा केंद्र पहुंचाया। परीक्षा देने जाते समय स्नेहा बेहद खुश थी। गरीब माता पिता की बेटी स्नेहा परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर खुद के पैरों पर खड़ा होना चाहती है। वह अपने माता-पिता की मदद करना चाहती है, छोटे भाई को अच्छी परवरिश देना चाहती है। वह अपने माता-पिता को जिन कठिनाइयों से गुजरते देख रही है, वह चाहती है कि भविष्य में उन्हें इन तकलीफों का सामना न करना पड़े।

❑ स्नेहा की मां शिवानी हालदार कहती हैं-

'मैंने भी माध्यमिक परीक्षा पास की थी, लेकिन आर्थिक स्थिति के कारण आगे पढ़ नहीं पाई। मेरी बेटी जहां तक चाहे, पढ़ाई करे। सुकुमार हमारे लिए सिर्फ एक पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि हमारे परिवार के सदस्य व भगवान समान हैं। वे स्नेहा के रिश्ते में मामा नहीं लेकिन मामा से कम भी नहीं है। हम उनका यह उपकार कभी नहीं भूलेंगे।'

कोलकाता क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष की धर्मपत्नी का निधन

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह की धर्मपत्नी देवबनती देवी का स्वर्गवास सोमवार को हो गया। आज उनकी शव यात्रा की उनके निवास स्थान गैंगस शुभम अपार्टमेंट से भूतनाथ घाट जाने के लिए 11बजे निकलेगी। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे ऐसी हम प्रार्थना करते हैं।

बाघ के हमले में वन विभाग का कर्मचारी घायल

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले में सोमवार को एक रॉयल बंगाल टाइगर के हमले में वन विभाग का एक कर्मचारी घायल हो गया। बताया गया है कि इस दिन, सुबह में वन विभाग की टीम सुंदरवन टाइगर रिजर्व के अजलमारी जंगल से भटके इस बाघ की निगरानी कर रही थी, जब वह घनी झाड़ियों से घिरे गांव में घुस गया। अचानक जंगल से निकलकर बाघ ने वन विभाग के कर्मचारी पर हमला कर दिया। उसके साथ मौजूद अन्य वनकर्मियों ने लाठी-डंडों से बाघ को भगाने की कोशिश की, जिससे वह घायल कर्मचारी को छोड़कर वापस जंगल में चला गया। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि घायल कर्मचारी को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वन संरक्षक (डीएफओ) निशा गोस्वामी ने बताया कि कर्मचारी को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं, लेकिन वह होश में है और उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि यदि डॉक्टर सलाह देते हैं, तो हम उसे कोलकाता के अस्पताल में स्थानांतरित करेंगे। वन विभाग की टीम बाघ को पकड़ने के लिए ट्रैंक्विलाइज़र गन, पिंजरा और चारे के साथ मौके पर तैनात है। क्षेत्र को नायलॉन की जालियों से घेरा जा रहा है, और ग्रामीणों को अपने मवेशी घरों के अंदर रखने की सलाह दी गई है। डीएफओ ने बताया कि इसके अलावा किसी और को नुकसान नहीं पहुंचा है। वन विभाग के अनुसार, बाघ नदी पार कर मैपिथ क्षेत्र में पहुंचा और वहीं बसेरा बनाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन विभाग जल्द ही उसे वापस जंगल में खदेड़ देगा।

न्यूज इन ब्रीफ

अमृतसर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

अमृतसर : पंजाब पुलिस ने तीन फरवरी को एक बंद पुलिस चौकी के पास हुए 'विस्फोट' में कथित रुप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एके-47 राइफल, दो पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों ने गिरफ्तारी के बाद कथित तौर पर भागने की कोशिश की। इस दौरान, एक आर-पी ने एक पुलिस अधिकारी की पिस्तौल छीनकर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों को गोली लगी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपियों की पहचान लवप्रीत सिंह, बूटा सिंह और करनदीप सिंह के रूप में हुई है। तीनों अमृतसर के ग्रामीण क्षेत्र के निवासी हैं और दुबई के एक व्यक्ति के संपर्क में थे, जिसने इन्हें धन और हथियार उपलब्ध कराए।

हिंदू युवक का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में काजी, प्रेमिका समेत पांच लोग गिरफ्तार

बिजनौर (उप्र) : बिजनौर जिले की पुलिस ने पुराना धामपुर क्षेत्र में निकाह के लिए हिंदू युवक का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में एक काजी और युवक की प्रेमिका समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक धर्म सिंह मार्छाल ने बताया कि पुराना धामपुर निवासी जसवंत सिंह की ओर से रविवार को दी गई शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मार्छाल ने बताया कि शिकायतकर्ता के बेटे मुकुल का नई सराय मोहल्ले की निवासी सायमा के साथ प्रेम प्रसंग था। उन्होंने बताया कि प्रेमिका, उसके पिता शाहिद, मां रुखसाना, काजी मौलाना इरशाद और मौलाना गुफरान शनिवार रात मुकुल को मदरसे ले गए और उसका धर्म परिवर्तन करा, सायमा से निकाह करवा दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में मौलाना इरशाद, मौलाना गुफरान, सायमा और उसके माता-पिता के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के तहत मुकदमा दर्ज कर रविवार को पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

झारखंड के पलामू में बस पलटने से 24 यात्री घायल

मेदिनीनगर (झारखंड) : झारखंड के पलामू जिले में सोमवार तड़के छत्तीसगढ़ से आ रही बिहार जाने वाली एक बस के पलट जाने से कम से कम 24 यात्री घायल हो गए जिनमें से छह की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। दुर्घटना सुबह करीब साढ़े चार बजे हरिहरगंज पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत सुल्तानी गांव के पास हुई, जब बस सड़क के एक डिवाइडर से जा टकराई। बस छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर से बिहार में आरा जा रही थी। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि हादसे में घायल छह यात्रियों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उनका मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि शेष लोगों का हरिहरगंज में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज हो रहा है। बस 'स्लीपर कोच' थी जिसमें यात्रियों के सोने की व्यवस्था थी और उसमें करीब 60 यात्री सवार थे। कुमार ने बताया कि बस का चालक मौके से भाग निकला।

झारखंडः हजारीबाग में सड़क हादसे में तीन की मौत, सात घायल

हजारीबाग (झारखंड) : झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर चट्टी घाटी के पास सुबह 6:30 बजे यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार एक खड़े ट्रक से टकरा गई। चरही थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि घायलों को हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल एक यात्री ने बताया कि अचानक सामने आई मोटरसाइकिल से बचने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे कार खड़े ट्रक से टकरा गई।

महाकुंभ नगर की ओर जाने वाली सारी सड़कें जाम

काशी और अयोध्या में भी मुश्किल हालात

महाकुंभ नगर /वाराणसी /अयोध्या : महाकुंभ में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने और भारी भीड़ से निपटने के लिये रेलवे और स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं के वास्ते कई नयी व्यवस्थाएं की हैं। कई क्षेत्रों में व्यापक जाम और अन्य परेशानियों के बावजूद महाकुंभ नगर तथा वाराणसी में लोगों के पहुंचने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। महाकुंभ में स्नान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु वाराणसी और अयोध्या में दर्शन करने के लिये कूच कर रहे हैं। इससे इन दोनों नगरों की भी यातायात व्यवस्था चरमरा गयी है। प्रयागराज के सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) शैलेंद्र सिंह ने बताया कि महाकुंभ मेले से निकलने वाली ज्यादातर भीड़ काशी और अयोध्या वाले मार्ग की ओर जा रही है। सरकार के मुताबिक, महाकुंभ में प्रतिदिन औसतन 1.44 करोड़ लोग स्नान कर रहे हैं। एक अधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रयागराज स्टेशन के बाहर मौजूद भारी भीड़ की वजह से स्टेशन से बाहर निकलने वाले श्रद्धालुओं को हो रही असुविधा के चलते उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का प्रयागराज संगम स्टेशन 9 फरवरी को अपराह्न 1:30 बजे से 14 फरवरी के रात्रि 12:00 बजे तक यात्री आवागमन के लिए अस्थायी तौर पर बंद किया गया है। महाकुंभ क्षेत्र में आने वाले अन्य आठ स्टेशनों से हालांकि नियमित और स्पेशल ट्रेनों का परिचालन सामान्य रूप से हो रहा है। प्रयागराज के अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) कुलदीप सिंह ने बताया कि पिछले (2019) कुंभ में इतनी भीड़ नहीं आई थी खासकर सामान्य दिनों में, लेकिन इस बार सामान्य दिनों में इतनी अधिक भीड़ आ रही है जिससे यातायात जाम की स्थिति बनी है। संगम में डुबकी लगाने बेटे के साथ रांची से सोमवार को प्रयागराज पहुंचीं डाक्टर सुषमा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, संगम में स्नान करने और मेला घूमने के बाद हम काशी जाकर भगवान भोले बाबा के दर्शन करेंगे और इसके बाद हमारी योजना अयोध्या जाने की है।

सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है राजस्थान सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहना है कि मंदिरों ने भारतीय परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों को संरक्षित करने का काम किया है, इसलिए मंदिर आस्था के प्रतीक होने के साथ ही हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना के भी प्रमुख केंद्र हैं। शर्मा ने सोमवार को चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया के श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की आत्मा है जिनसे हमारी विरासत मजबूत होती है, इसलिए राज्य सरकार प्रदेश में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्तौड़ की धरती शूरवीरों की धरा है, इस धरती पर वीर महाराणा प्रताप, भक्त शिरोमणि मीराबाई जैसी महान विभूतियां हुई हैं। साथ ही, यह भक्ति और आध्यात्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'विकास भी और विरासत भी' की अवधारणा को मानते हुए देश में विकास के साथ विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''हमने प्रदेश की आवश्यकताओं को समझते हुए पहले बिजली-पानी की आवश्यकताओं पर काम किया है। हम किसानों के दर्द को भली-भांति समझते हैं। हमारे अन्नदाता किसानों को अगर खेती के लिए पर्याप्त पानी तथा बिजली मिलेगी तो वे सशक्त होंगे।'' शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की सम्मान निधि और गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसे अनेक निर्णय लिए, जिससे किसानों को आर्थिक संबल मिला है। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर लिए हैं तथा प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं।''

दो वर्ष में 'ग्राम चौपाल' के जरिये 4.67 लाख से अधिक समस्याओं का निस्तारण किया गया: मौर्य

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा कि दो वर्ष में 1.24 लाख 'ग्राम चौपाल' के जरिये ग्रामीणों की 4.67 लाख से अधिक समस्याओं का निस्तारण किया गया है। उप्र सरकार में ग्राम्य विकास विभाग संभाल रहे मौर्य ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश की अभिनव पहल 'ग्राम चौपाल' के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याओं का समाधान मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 30 दिसंबर 2022 से अब तक, एक लाख 24 हजार 'ग्राम चौपालों' का आयोजन किया गया है, जिसमें चार लाख 67 हजार से अधिक समस्याओं का निस्तारण किया गया है। मौर्य ने कहा कि इन चौपालों में 84 लाख 34 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया है, जिससे प्रदेश के गांवों की तस्वीर बेहतर हो रही है और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में मदद मिल रही है। उप्र सरकार ने ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए अभियान के तौर पर दिसंबर 2022 में 'ग्राम चौपाल' की शुरुआत की थी। एक अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को 'ग्राम चौपाल',(गांव की समस्या -गांव में समाधान) का आयोजन किया जा रहा है।

अखिलेश ने प्रयागराज में यातायात अव्यवस्था को लेकर योगी सरकार को घेरा

लखनऊ : समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रयागराज में भीषण यातायात जाम के लिए सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की और दावा किया कि इससे महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को काफी असुविधा हो रही है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''प्रयागराज में चतुर्दिक जाम की वजह से न तो खाने-पीने के लिए खाद्यान्न और सब्जी-मसाले उपलब्ध हो पा रहे हैं और न ही दवाई, पेट्रोल-डीजल। इससे प्रयागराज तथा महाकुंभ परिसर व प्रयागराज आने-जाने वाले मार्गों पर फंसे करोड़ों भूखे-प्यासे, थके-हारे श्रद्धालुओं की हालत हर घंटे बद से बदतर होती जा रही है। ये एक अति गंभीर स्थिति है।'' उन्होंने कहा, ''जैसे राज्यों में संवैधानिक तंत्र फेल (नाकाम) हो जाने पर कमान किसी और को दे दी जाती है वैसे ही महाकुंभ में अव्यवस्थाओं का अंबार देखते हुए किस योग्य व्यक्ति को शासन की कमान दे दी जाए। अयोग्य लोग झूठा प्रचार कर सकते हैं, सच्ची व्यवस्था नहीं।'' यादव ने कुछ ही देर बाद 'प्रयागराज महाकुंभ अपडेट' शीर्षक से 'एक्स' पर ही एक अन्य पोस्ट में कहा, ''जाम में फंसे लोग अपने वाहनों में घंटों से कैद हैं। दैनंदिनी जरूरतों, खासतौर पर महिलाओं तक के लिए कोई स्थान नहीं है। जो लोग रास्तों में बेसुध हो रहे हैं, उनकी देखभाल का कोई इंतजाम नहीं है।'' उन्होंने दावा किया, ''श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन की बैटरी खत्म हो गयी है, जिससे उनका अपने लोगों से संपर्क टूट गया है। संपर्क तथा सूचना के अभाव में लोगों में बेचैनी बढ़ गयी है।'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हालात पर काबू पाने के लिए कोई जिम्मेदार मंत्री या व्यक्ति नहीं दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री तो पूरी तरह से नाकाम साबित हो ही चुके हैं साथ ही प्रयागराज से संबंधित उपमुख्यमंत्री और कई जाने-माने मंत्रीगण नदारद हैं। जिन्हें जनता के बीच होना चाहिए था वो घरों में बैठे हैं।'' उन्होंने कहा, ''जो सिपाही, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी या सफाईकर्मी दिनरात निष्ठापूर्वक भूखे-प्यासे डटे हैं, उनके भोजन पानी की कोई व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है। अधिकारी कमरों में बैठकर आदेश तो दे रहे हैं लेकिन जमीन पर नहीं उतर रहे हैं।''

न्यूज अपडेट

रांची कुक्कुट फार्म में एवियन फ्लू के प्रकोप के बाद 5,100 से अधिक पक्षियों को मार दिया गया

रांची : झारखंड में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के एक 'कुक्कुट फार्म' में 'एवियन फ्लू' का मामला सामने आने के बाद सोमवार को रांची में कुल 5,163 पक्षियों को मार दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों के भीतर बीएयू में 5,488 पक्षियों को मारा गया है और पूरे प्रभावित क्षेत्र का संक्रमणरोधन किया गया है। जिला पशुपालन अधिकारी (डीएएचओ) कवींद्र नाथ सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''रविवार को कुल 325 'गिनी फाउल' (पक्षी) को मारा गया था, जबकि सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में 5,163 पक्षियों को मारा गया।'' उन्होंने कहा कि अब 10 किलोमीटर के दायरे के सभी स्थानों पर नजर रखी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि बीएयू के पशु चिकित्सा महाविद्यालय स्थित फार्म में पिछले 20 दिनों में करीब 150 'गिनी फाउल' की मौत हो चुकी हैं। रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान (एनआईएचएसएडी) को भेजे गए नमूनों में 'एवियन इन्फ्लूएंजा ए वायरस' के प्रकार एच5एन1 की मौजूदगी की पुष्टि हुई है।

कानपुर आईआईटी के शोध छात्र ने आत्महत्या की, पुलिस जांच में जुटी

कानपुर (उप्र) : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर के 24 वर्षीय पीएचडी छात्र ने सोमवार को अपने छात्रावास के कमरे में फांसी के फंदे से लटककर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, नोएडा का सेक्टर 71 निवासी अंकित यादव (24) रसायन विज्ञान में पीएचडी कर रहा था। उसने बताया कि यादव ने अपने छात्रावास के कमरे में आत्महत्या कर ली और यह मामला सोमवार शाम को तब सामने आया जब उसके दोस्तों ने उसे फोन किया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। पश्चिम क्षेत्र के अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) विजेंद्र द्विवेदी ने कहा कि छात्रावास में यादव के साथ रहने वाले छात्रों ने आईआईटी अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया। प्राधिकारियों ने कल्याणपुर पुलिस को इसकी सूचना दी और वे यादव के कमरे में गए। उन्होंने कहा, हमें सोमवार शाम करीब पांच बजे आत्महत्या की सूचना मिली जिसके बाद हम स्थानीय पुलिस के साथ वहां पहुंचे। एडीसीपी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जब तक पुलिस वहां पहुंची, तब तक आईआईटी के प्राधिकारी दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाल चुके थे और उन्होंने सबूत के तौर पर इसका वीडियो बनाया था। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच के तहत फोरेंसिक टीम को बुलाया गया था।

अभूतपूर्व भीड़ को प्रबंधित करना किसी भी प्रशासन के लिए सबसे कठिन चुनौती : डीजीपी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने सोमवार को महाकुंभ में आने वाली भीड़ की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि इस अभूतपूर्व मानवीय और वाहनों के प्रवाह को प्रबंधित करना किसी भी प्रशासन या पुलिस बल के लिए अब तक की सबसे कठिन चुनौती है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में डीजीपी ने कहा, महाकुंभ 2025 इतिहास के सबसे बड़े श्रद्धालु समागम का गवाह बन रहा है। अब तक 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके हैं और हर दिन लाखों की संख्या में लोग प्रयागराज आ रहे हैं। उन्होंने कहा, इस अभूतपूर्व मानवीय और वाहनों के प्रवाह को प्रबंधित करना किसी भी प्रशासन या पुलिस बल के लिए अब तक की सबसे कठिन चुनौती है। कुमार ने कहा, प्रयागराज का बुनियादी ढांचा अपनी अधिकतम क्षमता से आगे बढ़कर काम कर रहा है और ऐसे में यातायात में देरी स्वाभाविक है। यह किसी प्रशासनिक असफलता का नहीं, बल्कि तीर्थयात्रियों की असाधारण संख्या का परिणाम है। डीजीपी ने कहा, इसके बावजूद, उत्तर प्रदेश पुलिस के हर सिपाही से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक, सभी दिन-रात अथक परिश्रम कर रहे हैं। वे श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन दे रहे हैं, सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं और शहर को सुव्यवस्थित बनाए रखने में अपनी पूरी शक्ति झोंक रहे हैं। कुमार ने यह भी कहा, इतने विशाल मानवीय प्रवाह का प्रबंधन करना एक ऐतिहासिक कार्य है और हमारे पुलिसकर्मी असाधारण धैर्य, समर्पण और निष्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी ऐसी कोई मिसाल नहीं है कि किसी पुलिस बल ने इतनी विशाल मानव-आवाजाही और वाहनों के प्रवाह को इतनी दक्षता से प्रबंधित किया हो।

ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा दिया

महाकुंभ नगर : फिल्म जगत से अध्यात्म के क्षेत्र में आईं और हाल ही में किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर पद पर आसीन हुईं ममता कुलकर्णी ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि उर्फ टीना मां ने 'पीटीआई-भाषा' से ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा देने की पुष्टि की। ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं महामंडलेश्वर यमाई ममता नंद गिरि अपने पद से इस्तीफा देती हूं। किन्नर अखाड़े और दूसरे संतों के बीच मुझे महामंडलेश्वर बनाए जाने को लेकर दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा, पच्चीस साल तपस्या के बाद मुझे यह सम्मान दिया गया था। मैंने देखा कि मुझे महामंडलेश्वर पद दिए जाने से कई लोगों को आपत्ति हुई। मैंने चैतन्य गगन गिरि महाराज के सानिध्य में 25 साल घोर तपस्या की। उल्लेखनीय है कि किन्नर कथावाचक हिमांगी सखी और ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने पर कड़ी आपत्ति की थी। ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर का पद छोड़ने के साथ ही इस पद के बदले दो लाख रुपये मांगे जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैं किन्नर अखाड़े की आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का बहुत सम्मान करती हूं। जहां तक पैसे के लेनदेन की बात है, तीन-चार महामंडलेश्वर और तीन-चार जगद्गुरु के सामने मुझसे दो लाख रुपये मांगे गए थे। जब मैंने कहा कि मेरे पास दो लाख रुपये नहीं हैं तो वहां मौजूद महामंडलेश्वर जय अंबा गिरि ने अपनी जेब से दो लाख रुपये निकालकर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी जी को दिया। ममता कुलकर्णी ने कहा, जिन चंडी देवी की आराधना मैंने की, शायद वहीं मुझे संकेत दे रही हैं कि मुझे इन सब चीज़ों से बाहर निकलना चाहिए। ममता कुलकर्णी को 24 जनवरी को किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर बनाया गया था।

प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करना एक भावुक और दिव्य अनुभव : पुष्कर सिंह धामी

देहरादून : प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में सोमवार को डुबकी लगाने के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे एक भावुक और दिव्य अनुभव बताते हुए कहा कि यह उनके हृदयपटल पर सदैव अंकित रहेगा। धामी ने अपनी मां, पत्नी और पुत्र सहित पूरे परिवार के साथ संगम में स्नान किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपना अनुभव साझा करते हुए लिखा, ''पतितपावनी मां गंगा, मां यमुना एवं मां सरस्वती के परमपवित्र दिव्य त्रिवेणी संगम में महाकुंभ-2025 के अलौकिक एवं पुण्यदायी कालखंड में सपरिवार स्नान का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ।'' धामी ने इसे 'अविस्मरणीय क्षण' बताते हुए कहा कि इस पवित्र जलराशि से अभिसिक्त होकर आध्यात्मिक शुद्धि एवं दिव्यता का अद्वितीय अनुभव प्राप्त हुआ। धामी ने बताया कि उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की पुनीत धरा पर ईश्वर से समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं राज्य की उन्नति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''महाकुंभ शताब्दियों से अपनी अक्षुण्णता बनाए रखते हुए सनातन धर्म की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता के माध्यम से कोटि जनों को धर्म व संस्कृति से जोड़ता आ रहा है। यह केवल आध्यात्मिक चेतना ही नहीं अपितु राष्ट्रीय एकता, अखंडता और विश्व बंधुत्व का प्रतीक है जो मानवता को नैतिक मूल्यों एवं विश्व मंगल की ओर प्रेरित करता है।''

भाजपा की बिहार इकाई के प्रमुख ने राजग की शानदार जीत का भरोसा जताया

पटना : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद बिहार में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ''शानदार जीत'' का सोमवार को भरोसा जताया। बिहार में इस साल बाद में चुनाव होने हैं। भाजपा नेता ने पटना में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते किया और उन्हें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का शिष्य बताया। जायसवाल ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने मतदाताओं को मुफ्त चीजें देने का वादा करके सारी हदें पार कर दी थीं लेकिन वह पहले छत्तीसगढ़ में देखे गए रुझानों पर गौर करने में विफल रहे जहां लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा किया और कांग्रेस की भूपेश सिंह बघेल सरकार के खिलाफ वोट दिया। बिहार के मंत्री ने कहा, बिहार में भी कुछ लोग अरविंद केजरीवाल के चेले बन गए हैं। वे महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक सहायता और मुफ्त बिजली देने के वादे के सहारे मतदाताओं को अपनी ओर लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली के फैसले ने उन्हें चौंका दिया है। जायसवाल का यह इशारा यादव की प्रस्तावित माई बहन सम्मान योजना की ओर था।

सनातन परंपरा को बचाए रखने में वनवासी समाज का बड़ा योगदान- होसबाले

महाकुंभ नगर (उप्र) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोमवार को कहा कि सनातन हिंदुत्व परंपरा को बचाए रखने में वनवासी समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि इसी ज्ञान, संस्कार परंपरा के संवर्धन के लिए जनजाति क्षेत्र के संतों को अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। महाकुंभ नगर में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित जनजाति समागम के समापन के अवसर पर उन्होंने कहा, ''हिंदुत्व, भारतीय, सनातन परंपरा के सामने आज विदेशी विचारधारा थोपने और धर्मांतरण जैसे संकट खड़े हैं। इन संकटों का सामना करते हुए जनजाति क्षेत्र के संतों ने सुदूर वन क्षेत्र में अथक प्रयास किए। उनके इसी प्रयास के कारण आज हिंदू धर्म जीवित है।'' होसबाले ने कहा, ''आने वाले समय में पर्यावरण, अनुसंधान, शिक्षा संस्कार, धर्म जागरण और सेवा के माध्यम से जागृति लाकर जनजाति समाज की एकता और अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''वनवासी कल्याण आश्रम इसी दिशा में कार्यरत है। इसीलिए जनजाति क्षेत्र के सभी साधु संतों को कल्याण आश्रम का सहयोग कर इस सनातन संस्कृति को मजबूत करने का काम करना चाहिए।'' इस संत समागम में वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, श्री गंगाधर जी महाराज और श्री दादू दयाल जी उपस्थित थे।

महाकुंभ में कहीं पैदा हुई गंगा, जमुना तो कहीं जन्में भोलेनाथ

महाकुंभ नगर : महाकुंभ क्षेत्र में बने सेंट्रल हॉस्पिटल में अभी तक कुल 12 बच्चों का जन्म हुआ है और इनके माता पिता में से किसी ने अपने बच्चे का नाम गंगा, किसी ने जमुना, किसी ने भोले नाथ तो किसी ने बजरंगी रखा है। सेक्टर दो स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल की मैटर्न रमा सिंह ने बताया कि कल रात में ही फूलपुर तहसील के सराय चंडी से आई नेहा सिंह ने एक बेटे को जन्म दिया और बेटे के पिता दीपक अपने बेटे का नाम कुंभ रखने पर अड़े हैं। हमने कहा कि कुंभ नाम 29 दिसंबर को जन्मे एक बच्चे का पहले ही रखा जा चुका है। हमने इस बच्चे को कुंभ-2 नाम दिया है। बेटे के पिता दीपक ने बताया, मैं हरियाणा में नौकरी करता हूं और सेक्टर 18 में मेरी मां कल्पवास कर रही हैं। उनकी सेवा के लिए मैं छुट्टी लेकर अपनी पत्नी नेहा के साथ यहां आया था। कल रात प्रसव पीड़ा उठने पर मैंने एंबुलेंस को फोन लगाया और पत्नी को सेंट्रल हॉस्पिटल लाया जहां रात करीब दो बजे उसने एक लड़के को जन्म दिया। दीपक ने कहा, भले ही अस्पताल वाले मेरे बेटे का नाम कुंभ नहीं रख रहे हैं, मैं उसका नाम कुंभ ही रखूंगा क्योंकि वह इस महाकुंभ में पैदा हुआ है। रमा सिंह ने बताया कि बसंत पंचमी को रात में एक महिला ने बेटे को जन्म दिया जिसका नाम बसंत रखा गया। वहीं, इसी स्नान पर्व पर एक महिला ने बेटी को जन्म दिया जिसका नाम बसंती रखा गया। सेंट्रल हॉस्पिटल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर मनोज कौशिक ने बताया कि सेंट्रल हॉस्पिटल में अभी तक कुल 12 बच्चों का जन्म हो चुका है। सभी प्रसव सामान्य तरीके से कराए गए। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे जहांगीराबाद (बाराबंकी), चित्रकूट, कौशांबी और कई प्रदेशों जैसे झारखंड, मध्य प्रदेश आदि की महिलाओं का प्रसव कराया गया। रमा सिंह बताया कि प्रसव उपरांत ज्यादातर लोग जल्दी छुट्टी मांगते हैं, लेकिन हमें 24 घंटे तक प्रसूती को निगरानी में रखना पड़ता है जिसके बाद ही हम छुट्टी देते हैं। उन्होंने बताया कि बहुत सी महिलाएं प्रसव की तिथि नजदीक होने के बावजूद मेले में इस आस्था के साथ आती हैं कि कुंभ मेले में जन्मा बच्चा भाग्यशाली होगा। रमा सिंह ने बताया कि एक महिला मध्य प्रदेश के ग्वालियर से आई थी और जैसे ही वह घाट पर स्नान के लिए पहुंची, उसे प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और परिजनों ने तत्काल एंबुलेंस को फोन कर इसकी जानकारी दी। महिला ने अस्पताल में बेटी को जन्म दिया और बच्ची का नाम सरस्वती रखा गया। उन्होंने बताया कि इसी तरह यहां पैदा हुए बच्चों के नाम भोले नाथ, गंगा, जमुना, सरस्वती, नंदी आदि रखे गए हैं। महाकुंभ नगर में सेक्टर 2 स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल उन 13 अस्पतालों में से एक है जिन्हें महाकुंभ मेला आने वाले श्रद्धालुओं की जरूरतें पूरी करने के लिए स्थापित किया गया है।

सभी समस्याओं के समाधान की कुंजी हैं हमारे शाश्वत मूल्य : बिहार के राज्यपाल

पटना : बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि ''लंबे समय तक गुलामी के दौर'' ने भारत के लोगों को उनके ''शाश्वत सांस्कृतिक मूल्यों'' के प्रति उदासीन बना दिया है जो राष्ट्र के सामने आने वाली सभी समस्याओं के समाधान की कुंजी हैं। खान ने यह टिप्पणी थिंक-टैंक 'ग्रैंड ट्रंक रोड इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) द्वारा रविवार को आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान की। संस्कृत में महारात के पहचाने जाने वाले खान ने इस मौके पर संस्कृत के कई श्लोक सुनाए जिस पर वहां मौजूद लोग तालियां बजाने लगे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वह खुद को एक विद्यार्थी के रूप में देखते हैं, न कि एक विद्वान के रूप में। उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि लंबे समय तक गुलामी सहने के कारण हमारे शाश्वत मूल्यों के प्रति हमारी उदासीनता बढ़ गई लेकिन हमारी विरासत हमें हमारी कई समस्याओं को हल करने की कुंजी प्रदान करती है। राष्ट्रगान को ही देख लीजिए, जिसमें 'जय' जो जीत का संकेत देता है, लेकिन 'विजय' से अलग है जो दूसरे की अधीनता को दर्शाता है।'' पिछले माह बिहार के राज्यपाल का पदभार संभालने वाले खान ने कहा, ''यह नालंदा की भूमि है जो शिक्षा का प्राचीन केंद्र है जिसे आक्रमण में नष्ट कर दिया गया था। लेकिन, वहां से फैला ज्ञान नष्ट नहीं किया जा सका। यह आज भी जीवित है।'' बाद में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मेरा मानना है कि चाहे राज्यपाल हो, मंत्री हो या सांसद, सार्वजनिक जीवन में किसी को भी पद यह देखकर नहीं मिलता कि वह किस समुदाय से आता है, इसीलिए मिलता है कि वह भारत का नागरिक है। इसलिए, भले ही मैं जन्म से मुसलमान हूं, लेकिन मेरी जिम्मेदारियों को मेरी धार्मिक पहचान से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।''

न्यूज इन ब्रीफ

उड़ान योजना के तहत 323 मार्ग चालू हैं : सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को कहा कि क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत चालू किए गए 619 मार्गों में से 323 मार्ग फिलहाल चालू हैं। वर्ष 2016 में शुरू की गई उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना का उद्देश्य विभिन्न शहरों को जोड़ना और साथ ही हवाई यात्रा को किफायती बनाना है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने सोमवार को कहा, ''आज की तारीख तक, क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक के तहत 619 मार्गों को शुरू किया गया है, जिनमें से 323 मार्ग फिलहाल चालू हैं...।'' राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि पिछले दौर में विभिन्न कारणों से बंद किए गए पात्र मार्गों पर फिर से बोली लगाई गई, उन्हें आवंटित किया गया और बाद के दौर में परिचालन शुरू किया गया।

यूजीसी के मसौदा नियम राज्य विश्वविद्यालयों को अधिक स्वायत्तता देने वाले: प्रधान

नयी दिल्ली : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा तैयार मसौदा भर्ती नियम राज्य विश्वविद्यालयों को अधिक स्वायत्तता और समावेशी विकास प्रदान करते हैं। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। प्रधान ने यह भी कहा कि मसौदा नियम विश्वविद्यालयों को शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में अधिक शक्ति प्रदान करते हैं। प्रधान ने कहा, ''मसौदे नियम राज्य विश्वविद्यालयों को अधिक स्वायत्तता और समावेशी विकास प्रदान करते हैं। मसौदा मानदंड विश्वविद्यालयों को शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में अधिक शक्ति प्रदान करते हैं।'' उन्होंने कहा, मसौदा नियमों में नियुक्ति और पदोन्नति के लिए पात्रता मानदंड को सरल और व्यापक बनाया गया है। प्रधान ने कहा कि यह राज्य सरकारों को उनके दायरे में आने वाले कॉलेजों में शिक्षकों की चयन प्रक्रिया पर निर्णय लेने का अधिकार देता है।

करीब 10,249 एकड़ रक्षा भूमि पर अतिक्रमण: सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को संसद में कहा कि देश भर में करीब 18 लाख एकड़ रक्षा भूमि में से करीब 10,249 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उनसे देश में रक्षा भूमि पर अतिक्रमण को लेकर सवाल किया गया था। मंत्री ने अपने उत्तर में कहा, ''देश भर में करीब 18 लाख एकड़ रक्षा भूमि में से करीब 10,249 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण है।'' उन्होंने रक्षा भूमि पर अतिक्रमण का राज्यवार विवरण भी साझा किया। एक अन्य प्रश्न में सरकार से पूछा गया था कि क्या उसे इस तथ्य की जानकारी है कि रक्षा भूमि निजी और अन्य संस्थाओं को पट्टे पर दिए गए हैं या उन पर अतिक्रमण है। सेठ ने कहा कि छावनी के भीतर रक्षा भूमि के पट्टे ऐतिहासिक रूप से 1899 और 1912 की छावनी संहिताओं के तहत विभिन्न उद्देश्यों के लिए लोगों, संस्थानों और सरकारी निकायों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा छावनी भूमि प्रशासन नियम 1925 और 1937 के तहत भूमि दी गयी।

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से कहा कि वे खुद को चुनौती दें, लेकिन परीक्षा का दबाव न लें

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अपने वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' के आठवें संस्करण के प्रसारण में पोषण, दबाव पर नियंत्रण और नेतृत्व जैसे कई मुद्दों पर छात्रों से बातचीत की। मोदी ने छात्रों से कहा कि 'ज्ञान' और परीक्षा दो अलग अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी परीक्षा को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए छात्रों के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों को किसी दायरे में बांधा नहीं जाना चाहिए और उन्हें अपनी अभिलाषा को तलाशने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने छात्रों से अपने समय का उपयोग योजनाबद्ध तरीके से करने को कहा ताकि इसका प्रभावी प्रबंधन हो सके। प्रधानमंत्री ने छात्रों से 'अपने समय, अपने जीवन पर नियंत्रण रखने, वर्तमान में जीने, सकारात्मकता की तलाश करने, पोषण' जैसे मुद्दों पर बात की। छात्रों ने उनसे विभिन्न मामलों पर सवाल पूछे। पारंपरिक 'टाउन हॉल' प्रारूप से हटकर मोदी ने इस बार अधिक अनौपचारिक व्यवस्था को प्राथमिकता दी और लगभग 35 छात्रों को यहां सुंदर नर्सरी ले गए तथा अधिक गहन एवं मुक्त बातचीत की। माता-पिता से अपने बच्चों को दिखावे के लिए मॉडल के रूप में इस्तेमाल नहीं करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए बल्कि उनका समर्थन करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अच्छी नींद के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को यह नहीं सोचना चाहिए कि अगर वे अधिक अंक नहीं लाते हैं तो उनका जीवन बेकार हो जाएगा। मोदी ने कहा कि छात्रों को दबाव को उसी तरह से संभालना चाहिए जैसे बल्लेबाज दर्शकों के शोर के बीच स्टेडियम में करते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज बाउंड्री की मांग को नजरअंदाज करते हुए अगली गेंद पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

इलाहाबादिया की टिप्पणी पर विवाद: एनसीडब्ल्यू ने अश्लील 'कंटेंट' पर रोक के लिए कहा

नयी दिल्ली : सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर इलाहाबादिया की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर उठे विवाद के बीच राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने केंद्र से विभिन्न 'ओवर-द-टॉप' (ओटीटी) मंचों और सोशल मीडिया 'स्ट्रीमिंग साइट' पर अश्लील 'कंटेंट' (सामग्री) के बढ़ते चलन से संबंधित गंभीर चिंताओं के समाधान के लिए तत्काल नियामकीय उपाय करने को कहा है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में उनसे सख्त दिशा-निर्देश जारी करके त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उनसे ओटीटी मंचों पर अनुचित या अश्लील सामग्री अपलोड करने या 'स्ट्रीमिंग' से रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया गया है। माता-पिता और यौन संबंधों पर रणवीर इलाहाबादिया द्वारा की गईं आपत्तिजनक टिप्पणियों की व्यापक पैमाने पर आलोचना हुई है। रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी कार्यक्रम 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में एक प्रतियोगी से उसके माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए एक विवादास्पद टिप्पणी की, जिसके कारण कई लोगों ने उनके 'पॉडकास्ट' पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की है।

माता-पिता एवं यौन संबंधों पर टिप्पणी को लेकर विवाद के बाद यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माफी मांगी

माता-पिता और यौन संबंधों पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर इलाहाबादिया द्वारा की गईं आपत्तिजनक टिप्पणियों की सोमवार को व्यापक पैमाने पर आलोचना होने के बाद यूट्यूबर ने माफी मांगी और कहा कि 'कॉमेडी' उनकी खासियत नहीं है। टिप्पणियों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस सहित कई नेताओं, कार्यकर्ताओं, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं एवं अन्य लोगों ने नाराजगी जताई तथा उन्हें अशिष्ट, अश्लील एवं आपत्तिजनक बताया।

विपक्षी दलों ने एकजुटता पर जोर दिया, कांग्रेस बोली: दिल्ली के नतीजों को लेकर हमें दोष देना गलत

नयी दिल्ली : दिल्ली में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के दोनों घटक दलों आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की आपसी लड़ाई के भारतीय जनता पार्टी की जीत का आधार बनने संबंधी दावों के बीच विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं ने सोमवार को आपसी एकजुटता पर जोर दिया। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने कहा कि उस पर दोष लगाना गलत है क्योंकि आप ने विधानसभा चुनाव में गठबंधन से इनकार कर दिया था। कांग्रेस ने यह भी कहा कि 'इंडिया' गठबंधन का गठन 2024 के आम चुनाव के लिए किया गया था और विधानसभा चुनावों में राज्य स्तर की परिस्थिति के हिसाब से गठबंधन को आगे बढ़ाना था। दिल्ली में आप के लिए खेल बिगाड़ने के आरोप को लेकर कांग्रेस की आलोचना करने वालों को जवाब देते हुए, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में पार्टी सचेतक माणिकम टैगोर ने कहा कि गठबंधन सहयोगी गलत व्यक्ति से सवाल पूछ रहे हैं क्योंकि उन्हें उस व्यक्ति से पूछना चाहिए जिसने दिल्ली में ''गठबंधन तोड़ा''। उन्होंने कहा, ''एक बात बहुत स्पष्ट है - भारत गठबंधन 2024 के आम चुनाव के लिए बनाया गया था। विभिन्न राज्यों में, अलग-अलग रणनीति बनाई गई थी। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का दिल्ली में गठबंधन था, लेकिन पंजाब में नहीं।

जल्द से जल्द जनगणना कराई जाए ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून का लाभ मिले: सोनिया

नयी दिल्ली : कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाले लाभों से वंचित किए जाने का सोमवार को दावा किया और सरकार से जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि नागरिकों का एक मौलिक अधिकार है। गांधी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 75 प्रतिशत ग्रामीणों के साथ ही 50 प्रतिशत शहरी आबादी सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है। उन्होंने कहा कि हालांकि लाभार्थियों के लिए कोटा अब भी

2011 की जनगणना के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जो अब एक दशक से अधिक पुरानी है। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार जनगणना में 4 साल से अधिक की देरी हुई है। मूल रूप से यह 2021 के लिए निर्धारित थी लेकिन अब भी इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि जनगणना कब आयोजित की जाएगी।'' गांधी ने कहा कि बजट आवंटन से पता चला है कि जनगणना इस वर्ष भी कराए जाने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, ''इस प्रकार लगभग 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत उनके उचित लाभों से वंचित किया जा रहा है। यह जरूरी है कि सरकार जल्द से जल्द जनगणना कराने को प्राथमिकता दे और यह सुनिश्चित करे कि सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गारंटीकृत लाभ प्राप्त हों।'' उन्होंने कहा, ''खाद्य सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं है, एक मौलिक अधिकार है।''

बांग्लादेश सीमा पर हालात सामान्य, घुसपैठ और तस्करी रोकने के लिए बीएसएफ पूरी तरह मुस्तैद : महानिदेशक

इंदौर (मध्यप्रदेश) : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश से लगी देश की सरहदों पर हालात सामान्य हैं और घुसपैठ व तस्करी जैसी घटनाएं रोकने के लिए बीएसएफ पूरी तरह मुस्तैद है। चौधरी ने इंदौर में बीएसएफ की 52वीं अंतर सीमांत प्लाटून हथियार निशानेबाजी स्पर्धा के उद्घाटन के बाद ''पीटीआई-भाषा'' से बातचीत में कहा कि बांग्लादेश से लगती देश की सरहदों से जुड़ी तमाम चुनौतियों के मद्देनजर बीएसएफ मुस्तैद है और वहां हालात ''सामान्य'' हैं। उन्होंने कहा, '' हमारा प्रयास यही है कि

इन सीमाओं पर किसी भी तरह की घुसपैठ, तस्करी या ऐसी कोई भी हरकत न होने पाए जिससे हमारी देश की सुरक्षा पर कोई असर पड़े।'' चौधरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सरहदों पर ड्रोन के खतरों से निपटने के लिए बीएसएफ ने खुद को अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों से लैस किया है। पाकिस्तान की ओर से खासकर पंजाब के सीमाई इलाकों में नशीले पदार्थ और हथियार भेजने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल के बारे में पूछे जाने पर बीएसएफ प्रमुख ने कहा कि बीएसएफ की ड्रोन रोधी तकनीकों की बदौलत ऐसी घटनाओं में ''जबर्दस्त कमी'' आई है।

सहमति से यौन संबंध बनाने का दावा पॉक्सो मामलों में मुकदमे के लिए अप्रासंगिक : उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक पॉक्सो(यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण कानून) मामले में कहा है कि सहमति से यौन संबंध बनाने के दावे से जुड़ी याचिका कानूनन अप्रासंगिक है क्योंकि पीड़िता की उम्र निर्णायक कारक है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने कहा कि नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे एक व्यक्ति द्वारा सहमति से यौन संबंध बनाने की दलील कानूनन अप्रासंगिक है, क्योंकि पॉक्सो अधिनियम के तहत पीड़िता की उम्र निर्णायक कारक है। अदालत ने कहा, ''सहमति से यौन संबंध बनाने की यह दलील कानूनन अप्रासंगिक है। पॉक्सो अधिनियम के तहत पीड़िता की उम्र निर्णायक कारक है और अगर पीड़िता 18 वर्ष से कम उम्र की है, तो कानून का यह मानना है कि वह वैध सहमति नहीं दे सकती।'' न्यायाधीश ने तीन फरवरी के आदेश में कहा, ''इसलिए, संबंध की कथित सहमति की प्रकृति, पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमे में प्रथम दृष्टया अप्रासंगिक है।'' इसलिए अदालत ने 26 वर्षीय व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिस पर 2024 में अपनी 16 वर्षीय पड़ोसन का यौन उत्पीड़न करने और गर्भपात के लिए दवाइयां देने का भी आरोप है। व्यक्ति पहले से शादीशुदा है और उसकी एक बेटी भी है।

इस बजट से 'विकसित भारत' नहीं बनेगा, मुसलमानों को नजरअंदाज किया गया: ओवैसी

नयी दिल्ली : ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमएआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए सोमवार को दावा किया कि इस बजट से 'विकसित भारत' नहीं बनने वाला है। उन्होंने लोकसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि यह सरकार अल्पसंख्यकों के प्रति पूर्वाग्रह के भाव से काम कर रही है तथा अकलियतों खासकर मुसलमानों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने कहा कि जब तक लड़कियों को तालीम नहीं मिल जाती, जब तक बड़ी आबादी गरीब है और जब तक देश की 15 प्रतिशत मुस्लिम आबादी की उपेक्षा होगी, तब तक 'विकसित भारत' नहीं बन सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव और पूर्वाग्रह का व्यवहार कर रही है। उन्होंने दावा किया कि अल्पसंख्यकों से संबंधित केंद्रीय स्तर की योजनाओं में आवंटित बजट पूरा खर्च नहीं किया जा रहा है। ओवैसी ने आरोप लगाया, '' सरकार ने अकलियतों और खासकर मुसलमानों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया है।''

अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग मजबूत बना रहेगा: एयरो इंडिया में अमेरिकी दूत

बेंगलुरु : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बृहस्पतिवार को होने वाली मुलाकात से पूर्व नयी दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी जॉर्गन के एंड्रयूज ने सोमवार को विश्वास जताया कि रक्षा सहयोग अमेरिका-भारत द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा। यहां 'एयरो इंडिया 2025 (रक्षा प्रदर्शनी)' में अमेरिकी साझेदारी मंडप का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग को गहरा करने में अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, '' वाशिंगटन में नए ट्रम्प प्रशासन के साथ

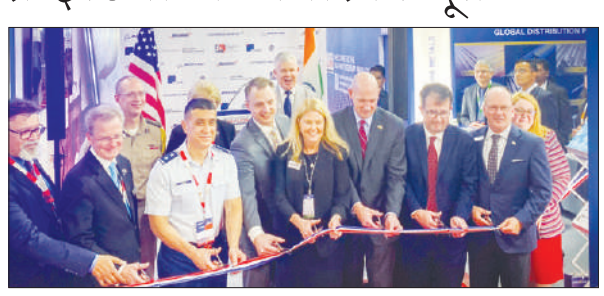

हमारे अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग की शानदार शुरुआत हुई है। (भारत के विदेश मंत्री एस) जयशंकर हमारे राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।'' एंड्रयूज के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप पहले ही फोन पर एक बार बातचीत कर चुके हैं और वे बृहस्पतिवार को भेंटवार्ता करेंगे। उन्होंने कहा, '' इसलिए हम इन अवसरों को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हमारे पास यह उम्मीद करने के लिए हर कारण है कि रक्षा सहयोग अमेरिका-भारत द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।''

न्यूज अपडेट

ट्रेन संरक्षा बढ़ाने के लिए पू. सी. रेलवे ने 'सीडीआर एप्लिकेशन' लॉन्च किया

मालीगांव : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) के अलीपुरद्वार मंडल ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) विश्लेषण एप्लिकेशन लॉन्च किया है, जो ट्रेन परिचालन की संरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह एप्लिकेशन लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों द्वारा ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन उपयोग पर रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है।रेलवे नियमों के अनुसार, साइन-ऑन से साइन-ऑफ तक मोबाइल फोन बंद रहना अनिवार्य है ताकि ध्यान भटकने से बचा जा सके और ट्रेन संचालन निर्बाध व सुरक्षित रहे। पहले, अनुपालन की मैन्युअल जांच समय लेने वाली थी और त्रुटियों की संभावना रहती थी, लेकिन नया सीडीआर एप्लिकेशन इस प्रक्रिया को स्वचालित और अधिक प्रभावी बना देगा।यह एप्लिकेशन सीयूजी कॉल रिकॉर्ड को लोको पायलटों के ड्यूटी समय से क्रॉस-चेक करता है और किसी भी उल्लंघन की तत्काल पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की अनुमति देता है। इसकी स्वचालित रिपोर्टिंग प्रणाली निष्कर्षों को कमी और गैर-कमी रिपोर्ट में वर्गीकृत करती है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।इस एप्लिकेशन से विश्लेषण का समय 60-90 मिनट से घटकर मात्र 5 मिनट रह गया है, जिससे संरक्षा सुनिश्चित करते हुए दक्षता भी बढ़ेगी। यह पहल रेलवे सुरक्षा में प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का उदाहरण है और पू. सी. रेलवे की सुरक्षित व कुशल ट्रेन संचालन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

राजनीतिक दलों के अधिकारों का हनन नहीं होने दिया जा सकता: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिकाओं पर फैसले में हो रही देरी पर कहा कि लोकतंत्र में किसी पार्टी के अधिकारों का हनन नहीं होने दिया जा सकता। शीर्ष अदालत ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष से पूछा कि 'उचित समय' का मतलब क्या होता है। न्यायमूर्ति बी. आर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें से एक याचिका बीआरएस और अन्य द्वारा अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय में देरी को लेकर दायर की गई थी। पीठ ने कहा, लोकतंत्र में पार्टियों के अधिकारों का हनन नहीं होने दिया जा सकता। हम अन्य दो शाखाओं (विधायिका और कार्यपालिका) का पूरा सम्मान करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि संसद के अधिनियम का ही हनन होने दिया जाए। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने कहा था कि राज्य विधानसभा अध्यक्ष को तीन विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर 'उचित समय' के भीतर निर्णय लेना चाहिए। एक याचिका में राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले बीआरएस के तीन विधायकों की अयोग्यता पर तेलंगाना उच्च न्यायालय के नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जबकि एक अन्य याचिका दलबदल करने वाले शेष सात विधायकों से संबंधित थी।

परिवार को पांच दिन तक 'डिजिटल अरेस्ट' करके साइबर अपराधियों ने ठगे एक करोड़ 10 लाख रुपए

नोएडा (उप्र) : उत्तर प्रदेश के नोएडा में साइबर अपराधियों ने एक परिवार को पांच दिन तक 'डिजिटल अरेस्ट' करके रखा और उससे एक करोड़ 10 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने यह जानकारी दी। साइबर अपराधी फर्जी सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डरा-धमकाकर उनसे बड़ी रकम वसूलते हैं। ठगी के इस तरीके को 'डिजिटल अरेस्ट' कहा जाता है। पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) प्रीति यादव ने बताया कि सेक्टर-19 में रहने वाले चंद्रभान पालीवाल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि एक फरवरी को दोपहर दो बजकर 40 मिनट पर उसके मोबाइल फोन पर किसी अनजान नंबर से कॉल आई और उसका सिम 'ब्लॉक' करने की धमकी देते हुए उससे 'ट्राई' (भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण) से संपर्क करने को कहा गया। शिकायत के अनुसार, इसके बाद शिकायतकर्ता को बताया गया कि उसका मामला मुंबई की साइबर अपराध शाखा के पास है और करीब 10 मिनट बाद स्वयं को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति ने मुंबई के कोलावा पुलिस थाने से पालीवाल को 'वीडियो कॉल' की। शिकायत में कहा गया है कि उस व्यक्ति ने पालीवाल से कहा कि उसके खिलाफ लोगों को डरा-धमकाकर पैसा वसूलने का आरोप है और अलग-अलग जगहों पर 24 मामले दर्ज हैं। पालीवाल को डराया गया कि धनशोधन के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) उसके खिलाफ जांच कर रहा है।

युद्ध की बदल रही प्रकृति के चलते समाधान अपनाने, उसमें लगातार सुधार करने की जरूरत: राजनाथ

राजनाथ ने बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2025 में 'इंडिया', आईडीईएक्स, कर्नाटक पवेलियन का किया उद्घाटन

बेंगलुरु : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि युद्ध की तेजी से बदल रही प्रकृति के चलते लगातार समाधान अपनाने और उनमें सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रक्षा विनिर्माण में प्रयासों को उभरते क्षेत्रों के लिए जवाबी उपाय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से आगे आने और विस्तारित भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा पेश किए गए अवसरों का उपयोग करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, ''ये अवसर रक्षा उत्पादन में हमारी आत्मनिर्भरता की नीतियों से प्रेरित हैं एवं अनुकूल नीति व्यवस्था द्वारा सुगम बनाए गए हैं।'' रक्षा मंत्री ने 'एयरो इंडिया' के

15वें संस्करण के तहत सीईओ गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सिंह ने कहा, ''इस सम्मेलन का सार यह है कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी रक्षा निर्माता और सेवा प्रदाता बनाने के लिए कैसे हाथ मिलाया जाए। यह सब कृत्रिम मेधा (एआई), क्वांटम तकनीक और अन्य नयी तकनीकी क्रांतियों की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''चूंकि युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए हमें लगातार समाधान अपनाने और उनमें सुधार करने की जरूरत है।'' सिंह ने कहा, ''उदाहरण के लिए, पहले विशुद्ध सैन्य उपकरण आधारित प्रणालियों पर निर्भरता थी। अब सॉफ्टवेयर आधारित प्रणालियां इसकी जगह ले रही हैं। आज, सैन्य अभियानों में संचार और डेटा साझा करने की प्रकृति बहुत अधिक जटिल होती जा रही है। अंतरिक्ष आधारित दिशा-सूचक प्रणाली, अंतरिक्ष आधारित संचार और निगरानी पर हमारी निर्भरता का अर्थ है कि अंतरिक्ष आधारित परिसंपत्तियों को हमारी परिचालन योजनाओं में एकीकृत करना होगा।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''हाल के संघर्षों में ड्रोन के इस्तेमाल से यह संकेत मिलता है कि भविष्य मानवयुक्त, मानवरहित और स्वायत्त युद्ध प्रणालियों के एकीकृत प्रयासों पर निर्भर करेगा, इसलिए रक्षा विनिर्माण में हमारे प्रयासों को इन उभरते क्षेत्रों के लिए जवाबी उपाय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।'' रक्षा क्षेत्र में तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य से पैदा होने वाली कुछ चुनौतियों और चिंताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इन सभी चुनौतियों के लिए विशिष्ट लक्षित समाधान और जवाबी उपायों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''भारत सरकार न केवल इन बदलती स्थितियों से पूरी तरह अवगत है बल्कि उनसे निपटने के लिए तैयार भी है। यहीं पर हमने पारदर्शी नियम, प्रक्रियाएं और नीतियां बनाई हैं जो उद्योग के अनुकूल हैं।'' रक्षा मंत्री ने सोमवार को बेंगलुरु स्थित येलहांका वायुसेना स्टेशन में 'एयरो इंडिया' के 15वें संस्करण का उद्घाटन किया। इसे एशिया की सबसे बड़ी 'एयरोस्पेस' और रक्षा प्रदर्शनी माना जाता है।

बेंगलुरु में एयरो इंडिया-2025 के दौरान एसयू-57, एफ35 लड़ाकू विमानों ने जलवा बिखेरा

रूस के सुखोई 57 और अमेरिका के लॉकहीड मार्टिन एफ35 ने सोमवार को यहां एयरो इंडिया-2025 में अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। पहली बार, एयरो इंडिया में स्टेल्थ क्षमताओं से लैस दुनिया के दो सबसे उन्नत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। पांच दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन दिवस पर दो उन्नत लड़ाकू विमानों ने भारी गर्जना के साथ आकाश में उड़ान भरी तथा हवा में हैरतअंगेज करतब दिखाए। एसयू-57 ने अपनी शानदार चपलता से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसने रनवे पर थोड़ी देर की दौड़ के बाद उड़ान भरी और बहुत कम जगह की आवश्यकता के साथ हवा में तेज़ी से मुड़ गया। एफ35 को भी रनवे पर तेज़ी से उड़ान भरने के लिए बहुत कम समय लगा और इसकी तेजी काफी प्रभावशाली थी।

देव मीना ने पोल वॉल्ट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता

देहरादून : मध्य प्रदेश के देव कुमार मीना ने सोमवार को यहां पुरुष पोल वॉल्ट में 5.32 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता। एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के तीसरे दिन आठ स्वर्ण पदक दांव पर लगे थे जिसमें से पंजाब ने तीन जीते जबकि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, सेना, तमिलनाडु और मेजबान उत्तराखंड के खाते में एक-एक स्वर्ण पदक आया। उन्नीस साल के देव ने 2023 के अपने खिताब का बचाव करते हुए स्वर्ण पदक जीता और एस शिवा के 5.31 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड में भी सुधार किया जो उन्होंने गुजरात में 2022 राष्ट्रीय खेलों के दौरान बनाया था। इससे पहले देव का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5.20 मीटर था जो उन्होंने पिछले साल पटना में इंडिया ओपन अंडर-23 प्रतियोगिता जीतने के दौरान बनाया था। तमिलनाडु के जी रीगन (पांच मीटर) ने रजत जबकि उत्तर प्रदेश के कुलदीप कुमार (पांच मीटर) ने कांस्य पकद जीता। उत्तर प्रदेश की अनुष्का यादव ने महिला तार गोला फेंक में खेलों के रिकॉर्ड 62.89 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले राष्ट्रीय खेलों का रिकॉर्ड उत्तर प्रदेश की तान्या चौधरी के नाम था जिन्होंने 62.47 मीटर के प्रयास से 2023 राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। सोमवार को तान्या 59.74 मीटर के प्रयास से दूसरे स्थान पर रहीं जबकि उत्तर प्रदेश की ही नंदिनी ने 58.89 मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीता। पुरुष गोला फेंक में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पंजाब के तेजिंदर पाल सिंह तूर ने 19.74 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता। गत चैंपियन मध्य प्रदेश के समरदीप सिंह गिल (19.38 मीटर) और पंजाब के प्रभकृपाल सिंह (19.04 सेकेंड) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते। रविवार को महिला 100 मीटर बाधा दौड़ का स्वर्ण पदक जीतने वाली आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी ने अपनी हीट 23.85 सेकेंड में जीतकर 200 मीटर फाइनल में जगह बनाई। सेना के सुमित कुमार ने आठ मिनट 46.26 सेकेंड के समय के साथ पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज का स्वर्ण जीता जबकि गिटसन धमरि, आकाश बाबू, वासन और अश्विन कृष्णा की तमिलनाडु की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने भी खिताब अपने नाम किया।

पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र महिला टीम टेबल टेनिस के फाइनल में

देहरादून : पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र ने सोमवार को यहां अपने-अपने सेमीफाइनल में शानदार जीत दर्ज करके 38वें राष्ट्रीय खेलों की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया। महाराष्ट्र ने सेमीफाइनल में हरियाणा को जबकि पश्चिम बंगाल ने दिल्ली को 3-0 के समान अंतर से हराया। दीया पराग चितले ने पहले एकल मैच में हरियाणा की स्नेहा भौमिक पर 3-1 (11-3 12-14 1-8 12-10) की जीत के साथ महाराष्ट्र का खाता खोला। इसके बाद स्वास्तिका घोष ने पृथोकी चक्रवर्ती को 3-0 (11-6 11-2 11-9) से और तनीषा संजय कोटेचा ने श्रीदात्री रॉय को 3-1 (11-6 7-11 11-7 11-3) से हराकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया।

एनसीए की तीन सदस्यीय टीम कर रही है बुमराह की फिटनेस पर काम

नयी दिल्ली : भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन शुरू कर दिया है लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मैच फिट होने के लिए उनके पास अधिक समय नहीं है। बुमराह पांच हफ्ते ही 'ऑफ-लोडिंग' पूरी कर चुके हैं जिसके तहत खिलाड़ी को पूरी तरह से आराम करने की सलाह दी जाती है। इस दौरान खिलाड़ी जिम भी नहीं जाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) एनसीए से आने वाली सूचनाओं को सार्वजनिक नहीं होने दे रहा और उत्कृष्टता केंद्र तथा भारतीय क्रिकेट टीम से जुड़े चार-पांच लोगों को छोड़कर किसी और के पास इस तेज गेंदबाज की नवीनतम फिटनेस स्थिति के बारे में सटीक जानकारी नहीं है। पीटीआई को हालांकि बेंगलुरू में बुमराह के साथ काम करने वाली कोर टीम के बारे में पता चला है जो भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक को वापस मैदान पर लाने की कोशिश कर रही है। किसी चोटिल केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया के लिए एनसीए एक स्ट्रेंथ एवं अनुकूलन कोच, चोट की निगरानी के लिए एक फिजियो और कौशल पर काम करने के लिए एक गेंदबाजी या बल्लेबाजी कोच आवंटित करता है जो 'खेलने के लिए वापसी' (आरटीपी) का भी एक हिस्सा है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'स्ट्रेंथ एवं अनुकूलन कोच रजनीकांत शिवगनम और फिजियो तुलसी राम युवराज खेल विज्ञान प्रमुख डॉ. नितिन पटेल के साथ बुमराह के रिहैबिलिटेशन पर काम कर रहे हैं। पटेल व्यक्तिगत रूप से पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं।'

आयरलैंड ने जिंबॉब्वे को हराकर लगातार तीसरा टेस्ट मैच जीता

बुलावायो : आयरलैंड ने सोमवार को यहां एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन जिंबॉब्वे को 63 रन से हराकर लगातार तीसरा टेस्ट मैच जीता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आयरलैंड को 2017 में पूर्ण सदस्य का दर्जा दिया था जिससे वह टेस्ट क्रिकेट खेलने की योग्यता हासिल कर गया। आयरलैंड को हालांकि अपने पहले सात टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब उसने लगातार तीन मैच में जीत हासिल की है। उसने पिछले साल मार्च में अफगानिस्तान को हराया था और इसके बाद अब जिंबॉब्वे के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की। जिंबॉब्वे के सामने 292 रन का लक्ष्य था लेकिन वेस्ली मेदवर के 84 रन के बावजूद उसकी टीम 228 रन पर आउट हो गई। आयरलैंड की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रेस ने छह विकेट लिए।

चैंपियन्स ट्रॉफी जीतने के लिए भारत को रोहित और विराट दोनों से रनों की जरूरत होगी: मुरलीधरन

मुंबई : श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने सोमवार को यहां कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए भारत को रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों से रनों की जरूरत होगी। उन्होंने साथ ही कहा कि इस प्रतियोगिता में उपमहाद्वीप की टीमों के पास अधिक संतुलित गेंदबाजी आक्रमण होगा। पाकिस्तान और दुबई में 19 फरवरी से शुरू होने वाले आठ देशों के टूर्नामेंट से पहले रोहित और कोहली की फॉर्म चर्चा का विषय बनी हुई है। रोहित ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ अपना 32वां एकदिवसीय शतक जड़कर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए लेकिन कोहली नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में नाबाद 100 रन बनाने के बाद से अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मुरलीधरन ने यहां एक कार्यक्रम के इतर 'पीटीआई वीडियोज' से खास बातचीत में कहा, 'निश्चित रूप से, क्योंकि वे विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। हमेशा कहा जाता है कि कौशल स्थायी होता है (और) फॉर्म अस्थायी होती है। इसलिए वे फॉर्म में आ जाएंगे।' उन्होंने कहा, 'रोहित ने शतक बनाया है और विराट भी फॉर्म में आ जाएंगे। निश्चित रूप से, भारत की जीत के लिए उन्हें इस टूर्नामेंट में फॉर्म में होना चाहिए।'

राष्ट्रीय खेल: टेनिस महिला युगल में गुजरात, पुरुष युगल में कर्नाटक को स्वर्ण

देहरादून : वैदेही चौधरी और जील देसाई की गुजरात की जोड़ी ने सोमवार को राष्ट्रीय खेलों की टेनिस प्रतियोगिता में महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता जबकि प्रज्ञवल देव और निकी के पूनाचा की कर्नाटक की जोड़ी ने पुरुष युगल का खिताब जीता। वैदेही और जील ने फाइनल में महाराष्ट्र की पूजा इंगले और आकांक्षा निटूरे की जोड़ी को 6-3, 6-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। उत्तराखंड की जया कपूर और दीया चौधरी तथा हरियाणा की अंजलि राठी और अदिति त्यागी की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते। पुरुष युगल के फाइनल में प्रज्ञवल और पूनाचा ने इशाक इकबाल और फैजल कमर की सेना की जोड़ी को 6-3, 6-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

सूर्यकुमार फॉर्म में लौटे, मुंबई ने हरियाणा पर शिकंजा कसा

कोलकाता : भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फॉर्म में वापसी करते हुए 70 रन की पारी खेली और कप्तान अजिंक्य रहाणे (नाबाद 88) के साथ 139 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की जिससे गत चैंपियन मुंबई ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन सोमवार को यहां हरियाणा पर शिकंजा कस दिया। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर (58 रन देकर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी की मदद से मुंबई ने हरियाणा को पहली पारी में 301 रन पर आउट करके 14 रन की बढ़त हासिल की। पहली पारी में 315 रन बनाने वाले 42 बार के चैंपियन मुंबई तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 67 ओवर में चार विकेट पर 278 रन बनाए हैं और इस तरह से उसकी कुल बढ़त 292 रन की हो गई है। रहाणे ने हमेशा की तरह धैर्य पूर्ण बल्लेबाजी की। उन्होंने अभी तक 142 गेंद का सामना करके 10 चौके लगाए हैं। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे सूर्यकुमार ने 86 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए हैं। इन दोनों ने ऐसे समय में शतकीय साझेदारी निभाई जब मुंबई के तीन विकेट 100 रन पर निकल गए थे। मुंबई ने सलामी बल्लेबाज आकाश आनंद (10), आयुष म्हात्रे (31) और सिद्धेश लाड (43) के विकेट जल्दी गवा दिए थे। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय रहाणे के साथ ऑलराउंडर शिवम दुबे 30 रन बनाकर खेल रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

नाल्को का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 1,566 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ तीन गुना से अधिक होकर 1,566.32 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी को वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान 470.61 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय 40 प्रतिशत बढ़कर 4,761.31 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,397.87 करोड़ रुपये थी।

भारत 6-7 मार्च को वैश्विक सड़क अवसंरचना शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली : वैश्विक सड़क अवसंरचना शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (जीआरआईएस) का आयोजन अगले महीने 6-7 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी में किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय सड़क महासंघ (आईआरएफ) ने सोमवार को कहा कि इस सम्मेलन में दुनियाभर से लगभग 300 प्रतिष्ठित बुनियादी ढांचा और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन सुरक्षित अवसंरचना के लिए प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने, शहरी नियोजन के साथ सड़क सुरक्षा को जोड़ने और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने पर केंद्रित होगा। शिखर सम्मेलन का विषय 'विजन जीरो: सुरक्षित सड़कों के लिए टिकाऊ अवसंरचना और नीति' है। आईआरएफ के मानद अध्यक्ष के के कपिला ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का मकसद सड़क डिजाइन, निर्माण और प्रबंधन के हर पहलू में सुरक्षा को प्राथमिकता देना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं बहुत कम करके अंततः शून्य मृत्यु दर का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

अमेरिका की नई चेतावनी से शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 548 अंक और लुढ़का

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 548 अंक लुढ़क गया। अमेरिका की शुल्क लगाने की नई चेतावनी से निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ और बैंक, धातु तथा पेट्रोलियम शेयरों में बिकवाली हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 548.39 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ एक सप्ताह के निचले स्तर 77,311.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 753.3 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मानक सूचकांक निफ्टी भी 178.35 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,381.60 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका की शुल्क लगाने की नई चेतावनी का बाजार धारणा पर असर जारी है। निवेशक सतर्क रुख अपनाते हुए अपना पैसा सोने जैसे सुरक्षित निवेश उत्पादों में लगा रहे हैं।' सेंसेक्स के तीस शेयरों में से पावर ग्रिड, टाटा स्टील, जोमैटो, टाइटन, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शामिल हैं। सेंसेक्स पांच फरवरी से अबतक चार कारोबारी सत्रों में कुल 1,272 अंक और निफ्टी 357 अंक नीचे आ चुका है। स्टॉक्स बॉक्स में वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक अमेया रणदिवे ने कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट आई। ट्रंप ने विभिन्न देशों से सभी इस्पात और एल्युमीनियम आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना की घोषणा की है।' नकारात्मक कारोबार के बीच छोटे शेयरों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 2.25 प्रतिशत नीचे आ गया जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक ने 2.06 प्रतिशत का गोता लगाया।

रुपया पांच की बढ़त के साथ 87.45 प्रति डॉलर पर, दिन के कारोबार में पहुंचा 88 के स्तर के करीब

मुंबई : अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को पांच पैसे चढ़कर 87.45 पर बंद हुआ। इससे दिन में कारोबार के दौरान रुपया 45 पैसे की भारी गिरावट के साथ 88 के स्तर के करीब पहुंच गया था, लेकिन बाद में भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप के कारण इसमें सुधार हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस्पात और एल्युमीनियम आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना के बाद विदेशी बाजार में डॉलर में तेजी आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.94 पर खुला और सत्र के दौरान अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.95 के दिन के सर्वकालिक निचले स्तर को छू गया।

रिलायंस ने 'स्पिनर' के साथ स्पोर्ट्स ड्रिंक बाजार में रखा कदम

नयी दिल्ली : रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (आरसीपीएल) ने नया स्पोर्ट्स ड्रिंक 'स्पिनर' पेश किया है। इस 'स्पोर्ट्स ड्रिंक' को स्पिन के जादूगर और श्रीलंका के क्रिकेट खिलाड़ी मुथैया मुरलीधरन के साथ मिलकर बनाया गया है। कंपनी ने शनिवार को बयान में कहा कि रिलायंस 'स्पिनर' की कीमत काफी कम रखी गयी है। डेढ़ सौ एमएल की बोतल केवल 10 रुपये में उपलब्ध होगी। यह कीमत बाजार में उपलब्ध अन्य प्रतिद्वंद्वी स्पोर्ट्स ड्रिंक्स जैसे पेप्सिको के गेटोरेड और कोका-कोला के पावरेड की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। 500 मिलीलीटर की बोतल 50 रुपये में उपलब्ध हैं। डेकाथलॉन के स्पोर्ट्स ड्रिंक एपटोनिया की 400 मिलीलीटर की बोतल की कीमत 99 रुपये है, हालांकि पोर्टल पर यह 69 रुपये में उपलब्ध है। कंपनी का दावा है कि अगले तीन साल में स्पोर्ट्स ड्रिंक का बाजार एक अरब डॉलर हो जाएगा और 'स्पिनर' इस बाजार में अगुवा होगा। बयान के अनुसार, स्पोर्ट्स ड्रिंक 'स्पिनर' ने इंडियन क्रिकेट लीग यानी आईपीएल की कई टीमों के साथ साझेदारी की है।

आदित्य बिड़ला समूह का 'पीटर इंग्लैंड' ट्रेडमार्क पर एकमात्र अधिकार: दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने कि आदित्य बिड़ला समूह के परिधान ब्रांड 'पीटर इंग्लैंड' को एक मशहूर ट्रेडमार्क बताते हुए कहा है कि इसपर कंपनी का एकमात्र अधिकार है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा कि वादी आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड ने देशभर में कई स्टोरों की मौजूदगी के साथ अपने ब्रांड का व्यापक प्रचार-प्रसार किया है। इस वजह से समूचे भारत के ग्राहक इसके ट्रेडमार्क 'पीटर इंग्लैंड' को अच्छी तरह पहचानते हैं। न्यायमूर्ति पुष्करणा ने एक आदेश में कहा, ''यह स्पष्ट है कि ट्रेडमार्क 'पीटर इंग्लैंड' वादी और उसके उत्पादों एवं सेवाओं का एकल स्रोत पहचानकर्ता बन गया है। यह अदालत इस तथ्य पर भी ध्यान देती है कि वादी के पास ट्रेडमार्क 'पीटर इंग्लैंड' पर एकमात्र और अनन्य अधिकार हैं। उच्च न्यायालय ने यह आदेश 'पीटर इंग्लैंड' ट्रेडमार्क का प्रतिवादियों द्वारा इस्तेमाल रोकने की अपील करने वाली याचिका पर विचार करते हुए दिया है।

ट्रक मालिकों ने फिटनेस प्रमाणन के लिए प्रस्तावित शुल्क वृद्धि का विरोध किया

नयी दिल्ली : ट्रक मालिकों के संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने सोमवार को फिटनेस प्रमाणन शुल्क में प्रस्तावित वृद्धि का विरोध किया। संगठन ने कहा कि इस प्रस्ताव से परिवहन महंगा हो जाएगा तथा आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी और प्रमाणन प्रक्रिया में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना के मसौदे का हवाला देते हुए एआईएमटीसी ने कहा कि आठ वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के लिए फिटनेस प्रमाणन शुल्क में प्रस्तावित वृद्धि से वाणिज्यिक और निजी वाहन मालिकों में व्यापक चिंता और नाराजगी पैदा हो गई है। बयान में चेतावनी दी गई है कि यदि सरकार इस निर्णय पर पुनर्विचार नहीं करती है और इसे वापस नहीं लेती है, तो स्थिति के नियंत्रण से बाहर हो जाने की प्रबल संभावना है, जिसका अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

सरकार ने 65 डॉलर प्रति किग्रा से कम कीमत वाले मानव बालों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया

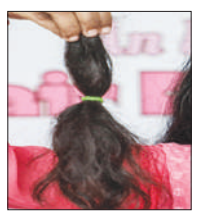

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को 65 डॉलर प्रति किलोग्राम से कम कीमत वाले अपरिष्कृत मानव बालों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। सरकार ने जनवरी, 2022 में इन निर्यातों पर अंकुश लगाया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा, 'अपरिष्कृत मानव बालों की निर्यात नीति को अंकुश से संशोधित कर प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि, अगर निर्यात मूल्य 65 डॉलर प्रति किलोग्राम या उससे अधिक है, तो निर्यात किया जा सकता है।' म्यांमा और चीन जैसे देशों में अपरिष्कृत मानव बालों की तस्करी की खबरों के बाद यह निर्णय लिया गया, जिससे स्थानीय उद्योगों और निर्यात को नुकसान हो रहा था। भारत में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु के अलावा पश्चिम बंगाल इस उद्योग का प्रमुख केंद्र है। भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी चीन, कंबोडिया, वियतनाम और म्यांमा हैं। भारत में दो तरह के बाल एकत्र किए जाते हैं - रेमी और नॉन-रेमी बाल। रेमी बाल, सबसे अच्छी श्रेणी के होते हैं, जिन्हें मंदिरों से एकत्र किया जाता है, जहां तीर्थयात्री धार्मिक मान्यता के तहत अपने बाल दान करते हैं। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से विग बनाने के लिए किया जाता है। नॉन-रेमी बाल गांवों और शहरों से एकत्र किया जाता है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात 12.39 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 12.4 करोड़ डॉलर था। इसे मुख्य रूप से म्यांमा को निर्यात किया जाता है।

ट्रंप की सोमवार को इस्पात, एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की चेतावनी

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह कनाडा तथा मेक्सिको सहित इस्पात और एल्युमीनियम के सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की सोमवार को घोषणा करेंगे। साथ ही इस सप्ताह के अंत में अन्य आयात शुल्क भी लगाए जाएंगे। सुपर बाउल में हिस्सा लेने के लिए फ्लोरिडा से न्यू ऑरलियन्स जाते समय विमान 'एयर फोर्स वन में' रविवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'अमेरिका में आने वाले किसी भी इस्पात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा।' एल्युमिनियम के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'एल्युमीनियम भी' व्यापार दंड के अधीन होगा। ट्रंप ने 'पारस्परिक शुल्क' की घोषणा करने की बात भी दोहराई जिसका मतलब है कि अमेरिका उन उत्पादों पर आयात शुल्क लगाएगा जहां किसी अन्य देश ने अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'यदि वे हमसे 130 प्रतिशत शुल्क ले रहे हैं और हम उनसे कुछ भी शुल्क नहीं ले रहे हैं, तो अब यह स्थिति ऐसी नहीं रहेगी।' गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने पहले भी कई बार कहा है कि वह आयात करों को आव्रजन जैसे मुद्दों पर रियायतें दिलाने के साधन के साथ ही इसे सरकार के बजट घाटे को कम करने में मदद करने वाले राजस्व के स्रोत के रूप में भी देखते हैं। इस बीच, दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने देश के शीर्ष विदेश नीति एवं व्यापार अधिकारियों की सोमवार को बैठक बुलाई, जिसमें इस बात पर गौर किया गया कि इस्पात और एल्युमीनियम पर ट्रंप के प्रस्तावित शुल्क से उनके उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

ट्रंप की शुल्क बढ़ाने की चेतावनी के बीच सोना 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर

मजबूत वैश्विक रुझानों और कमजोर रुपये के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें 2,430 रुपये बढ़कर 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में सभी इस्पात और एल्युमीनियम आयात पर 25 प्रतिशत का नया शुल्क लगाने की घोषणा के बाद वैश्विक स्तर पर हाजिर बाजारों में सोने ने 2,900 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर को पार कर लिया।

वर्ष 9, पूर्णांक 4146 अंक 296, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in